राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 61 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 07 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सरबजीत कौर की भारत वापसी फिर अटकी, वाघा बॉर्डर पहुंचने के बाद अंतिम समय पर रोक

अमृतसर। पाकिस्तान में रह रही भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर की भारत वापसी एक बार फिर टल गई है। अटारी-वाघा अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए उसकी वापसी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन अंतिम समय पर पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने इस प्रक्रिया पर रोक लगा दी। सीमा पर मौजूद भारतीय एजेंसियों को बिना किसी परिणाम के लौटना पड़ा। सरबजीत कौर पंजाब के कपूरथला जिले की रहने वाली है और वह सिख श्रद्धालुओं के एक जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी। यात्रा के दौरान वह वहां लापता हो गई थी। बाद में जानकारी सामने आई कि सरबजीत कौर ने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम नूर हुसैन रख लिया और पाकिस्तानी नागरिक नासिर हुसैन से निकाह कर लिया। इसके बाद यह मामला पाकिस्तान में कानूनी विवाद में बदल गया।

हाल ही में पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने सरबजीत कौर को भारत भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पाकिस्तानी पुलिस ने उसे खोजकर सोमवार को वाघा बॉर्डर लाया। इमिग्रेशन और कस्टम से जुड़ी औपचारिकताएं भी लगभग पूरी कर ली गई थीं। अटारी सीमा पर बीएसएफ और इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट का स्टाफ भी उसे रिसीव करने के लिए मौजूद था। इसी बीच पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने भारत भेजने की प्रक्रिया पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय का कहना है कि सरबजीत कौर ने अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन किया और निकाह किया है। मंत्रालय के अनुसार, इस मामले से जुड़ी कानूनी कार्यवाही अभी अदालत में लंबित है और अंतिम फैसले के बाद ही डिपोर्टेशन को लेकर कोई कदम उठाया जाएगा। फिलहाल सरबजीत कौर की भारत वापसी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है।

मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी', जेएनयू में उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में नारेबाजी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर विवादों में घिर गया है। विश्वविद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी का मामला सामने आया है। यह नारेबाजी दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और देशद्रोह के आरोपी शरजील इमाम के समर्थन में की गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना रात के समय साबरमती हॉस्टल के बाहर हुई। इस दौरान वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया और 'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी', 'अंबानी राज की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' और 'अडानी की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' जैसे नारे लगाए, जिसके बाद विवाद और गहरा गया।

बताया जा रहा है कि यह प्रदर्शन सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज किए जाने के विरोध में किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भी नारेबाजी की। गौरतलब है कि शरजील इमाम पर देशद्रोह का मामला दर्ज है। उस पर कथित तौर पर 'चिकन नेक' काटकर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कहने का आरोप है। वहीं, उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने का मामला चल रहा है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों से यह संकेत मिलता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम दिल्ली दंगों की साजिश रचने, लोगों को लामबंद करने और रणनीतिक दिशा-निर्देश देने में शामिल थे। इसके बाद अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

सस्पेंड डीआईजी भुल्लर को राहत, सीबीआई कोर्ट ने दी जमानत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर सीबीआई कोर्ट के उस आदेश से जुड़ी है जिसमें सीबीआई कोर्ट ने सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को आय से अधिक संपत्ति के मामले में आज जमानत दे दी। कोर्ट ने यह फैसला इसलिए सुनाया क्योंकि सीबीआई तय समय 60 दिनों की अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल करने में नाकाम रही। इस पर सीबीआई ने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में 90 दिन का समय मिलता है। हालांकि रिश्वत से जुड़े एक अन्य मामले में वे फिलहाल जेल में रहेंगे।

इससे पहले दो जनवरी को कोर्ट ने भुल्लर की जमानत अर्जी खारिज की थी। भुल्लर के वकील ने जमानत अर्जी में यही सवाल खड़ा किया था कि शिकायतकर्ता आकाश बत्ता से बिचौलिये ने सबसे पहले पांच अगस्त 2025 को एक लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। जबकि उसने सीबीआई को 11 अक्टूबर 2025 को शिकायत दी। सीबीआई ने 16 अक्टूबर को निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को उनके मोहाली स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया था। इससे पहले उनके कथित बिचौलिए कृष्णु शारदा को भी हिरासत में लिया गया था। आरोप है कि दोनों ने मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप डीलर आकाश बत्ता से आठ लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

मुख्यमंत्री साय ने सुकमा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों से की आत्मीय मुलाकात

बस्तर अंचल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मंत्रालय महानदी भवन, रायपुर में हमर छत्तीसगढ़ जन भ्रमण योजना के अंतर्गत राजधानी भ्रमण पर आए सुकमा जिले की सुदूरवर्ती ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अंचल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को बस्तर के प्रत्येक गांव तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र में भी तीव्र गति से विकास कार्य संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूर अंचलों में सुरक्षा बलों के कैंप स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विकास कार्यों को सुरक्षा और गति दोनों प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब अधिकांश गांवों में शासकीय राशन दुकानों की स्थापना की जा चुकी है तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में बस्तर क्षेत्र पूरी तरह नक्सलमुक्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आत्मनिर्भर बस्तर के लक्ष्य की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से बस्तर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को राजधानी भ्रमण के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि वे यहां के विकास कार्यों को देखकर प्रेरित हों और अपने क्षेत्रों में भी चहुंमुखी विकास को बढ़ावा दें।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हमर छत्तीसगढ़ जन भ्रमण योजना के अंतर्गत सुकमा जिले के सुदूरवर्ती विभिन्न ग्राम पंचायतों के लगभग 100 पंचायत प्रतिनिधि राजधानी रायपुर के दो दिवसीय भ्रमण पर आए हैं। भ्रमण के दौरान जनप्रतिनिधियों को मंत्रालय, जंगल सफारी, आदिवासी संग्रहालय, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और शॉपिंग मॉल जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन कराया गया।

नेपाल में भारतीय सीमा के पास भड़की हिंसा, हाई अलर्ट के बाद बॉर्डर सील

धनुषा जिले में मस्जिद में तोड़फोड़ से हिंसा की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में एक बार फिर से हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। भारतीय सीमा से सटे नेपाल के पारसा और धनुषा जिलों में हालात बिगड़ने से पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारतीय सीमा भी सील कर दी गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटित हो।

धनुषा जिले के सखुवा मारान इलाके में कुछ असामाजिक तत्वों ने मस्जिद में तोड़फोड़ की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद इलाके में सांप्रदायिक हिंसा का माहौल पैदा हो गया। इस हिंसा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद और गहरा गया।

पारसा में हिंसक प्रदर्शन

पारसा के बीरगंज में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। बीरगंज, जो बिहार के रक्सौल जिले के पास स्थित है, में भीड़ ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरबाजी भी की, जिस पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति को काबू में किया।

बीरगंज और रक्सौल सीमा के पास स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जिस कारण भारतीय अधिकारियों ने अपनी सीमा भी सील कर दी है। यह कदम क्षेत्र में और बढ़ती हिंसा को देखते हुए लिया गया है।

नेपाल पुलिस के अनुसार, मस्जिद में तोड़फोड़ की घटना के बाद धार्मिक भावनाएं भड़क उठीं और दोनों समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति बन गई।

राहुल गांधी को कोर्ट ने किया तलब, 19 जनवरी को पेश होने का आदेश

सुलतानपुर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मंगलवार को सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद अदालत ने राहुल गांधी को धारा 313 सीआरपीसी के तहत तलब किया है। उन्हें 19 जनवरी को खुद कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। करीब 40 मिनट तक चली सुनवाई में राहुल गांधी के वकील काशी शुक्ला ने गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह पूरी की। वहीं शिकायतकर्ता विजय मिश्रा के वकील संतोष पांडेय ने अदालत को बताया कि अब उनकी ओर से कोई और गवाह पेश नहीं किया जाएगा। कोर्ट क्यों तलब कर रही है राहुल गांधी को एमपी/एमएलए कोर्ट के जज शुभम वर्मा ने राहुल गांधी को इसलिए तलब किया है ताकि वे अपने खिलाफ आए सबूतों पर सफाई

दे सकें। कानून के अनुसार, किसी भी आरोपी को दोषी ठहराने से पहले उसका पक्ष सुना जाना जरूरी होता है। यह पूरा मामला 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। चुनाव प्रचार के दौरान बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा था: जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसका अध्यक्ष हत्या का आरोपी है। सुप्रीम कोर्ट ने खुद लोया मामले में इसका उल्लेख किया है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि अमित शाह की कोई विश्वसनीयता है। इस बयान के बाद सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था।

जज लोया केस से जुड़ा विवाद बता दें कि जस्टिस बी.एच. लोया दिसंबर 2014 में नागपुर में एक शादी समारोह के दौरान मृत पाए गए थे। वे उस समय सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर केस की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें अमित शाह आरोपी थे। हालांकि:लोया के बेटे ने पिता की मौत को स्वाभाविक बताया थासुप्रीम कोर्ट ने भी मामले की एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। राहुल गांधी 20 फरवरी 2024 को गैर-जमानती वारंट के बाद कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा था: मैं निर्दोष हूं, मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हुई है।

वीबी-जी राम जी का विरोध करना विपक्ष की मजबूरी वरना खुल जाएगी पोल : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विकसित भारत-जी राम जी कानून, 2025 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर करारा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक सुधार का स्वागत होना चाहिए था, उसी का विरोध कर विपक्ष अपने पुराने भ्रष्टाचार मॉडल का खुला समर्थन कर रहा है। यह विरोध विकास का नहीं, बल्कि पोल खुलने के डर का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रेस वार्ता की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि जिन लोगों ने वर्षों तक देश के संसाधनों पर डकैती डाली, गरीबों को भूखा रहने और नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर किया, वे आज सुधारों और विकसित भारत की संकल्पना पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर ऐसे लोग कानून का समर्थन करेंगे तो उनकी असलियत सामने आ जाएगी, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं।

धमतरी में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली का आत्मसमर्पण, 20 साल बाद छोड़ा माओवादी संगठन

धमतरी (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर 5 लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली भूमिका उर्फ गीता ने मंगलवार को धमतरी पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वह नगरी एरिया कमेटी की सदस्य और गोबरा एलओएस की कमांडर के रूप में सक्रिय थी।

भूमिका उर्फ गीता उर्फ लता उर्फ सोमारी (37 वर्ष), निवासी पुसनार, थाना गुंगालुर, जिला बीजापुर ने पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार पांडेय के समक्ष एसपी कार्यालय में सरेंडर किया।

पुलिस के अनुसार, धमतरी जिले में लगातार चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों, सिविक एक्शन कार्यक्रमों तथा पोस्टर, बैनर और पंपलेट के जरिए किए गए व्यापक प्रचार का यह सकारात्मक परिणाम है। लंबे समय तक माओवादी संगठन में रहने के दौरान पारिवारिक जीवन से वंचित रहने, संगठन के भीतर भेदभाव और विचारधारा से मोहभंग होने के बाद उसने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

माओवादी उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस मुख्यालय के मार्गदर्शन और रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में इस आत्मसमर्पण को सफल बनाया गया। भूमिका वर्ष 2005 से माओवादी संगठन से जुड़ी थी। प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद वह प्लाटून-01 में रही। वर्ष 2010 में ओडिशा स्टेट कमेटी में स्थानांतरण के बाद 2011 से 2019 तक सीसीएम संग्राम की गार्ड के रूप में कार्य किया। वर्ष 2019 से 2023 तक वह सीनापाली एरिया कमेटी में एसीएम रही। और सितंबर 2023 में गोबरा एलओएस की कमांडर बनी। वर्तमान में संगठन में सदस्यों की कमी के चलते वह नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी के साथ संयुक्त रूप से सक्रिय थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार भूमिका कई नक्सली घटनाओं में शामिल रही है। वर्ष 2010 में ओडिशा के पड़कीपाली में हुई मुठभेड़, 2014 में मैनपुर के मोतिपानी जंगल, 2016 में नुआपाड़ा के कमलावाड़ी और पोतेलपाड़ा जंगल, 2018 में बीजापुर के तिमेनार जंगल, 2023 में गरियाबंद के ताराझार, 2024 में धमतरी के एकावरी जंगल, 2025 में मांदागिरी जंगल और 10 नवंबर 2025 को गरियाबंद के सेमरा जंगल में हुई मुठभेड़ों में उसकी संलिप्तता रही है। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में आपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

आत्मसमर्पण के बाद शासन की नीति के तहत भूमिका को तत्काल 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। पुलिस ने अपील की है कि माओवादी संगठन से जुड़े अन्य लोग भी हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करें।

ट्रम्प के खिलाफ हुए 7 यूरोपीय देश, कहा- ग्रीनलैंड का भविष्य उसके लोग तय करेंगे

ग्रीनलैंड पर हमला किया तो नाटो खत्म - डेनमार्क की पीएम

कोपेनहेगन (एजेंसी)। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने कहा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश की तो नाटो सैन्य गठबंधन का अंत हो जाएगा।

सोमवार रात एक टीवी इंटरव्यू में फ्रेडरिकसन ने कहा कि अगर अमेरिका किसी नाटो सदस्य देश पर सैन्य कार्रवाई करता है, तो नाटो की पूरी व्यवस्था ही खत्म हो जाएगी। कुछ भी नहीं बचेगा। वहीं फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और ब्रिटेन के नेताओं ने भी साफ कहा है कि ग्रीनलैंड वहां के लोगों का है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क से जुड़े किसी भी फैसले का हक सिर्फ ग्रीनलैंड और डेनमार्क को ही है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने रविवार को दिए एक बयान में ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही थी। वे वेनेजुएला पर किए हमले को लेकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान ट्रम्प ने कहा था कि वह 20 दिन में ग्रीनलैंड पर बात करेंगे।

इससे पहले भी वह कई बार ग्रीनलैंड को अमेरिका के कंट्रोल में लाने की बात कर चुके हैं। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है, जो नाटो का हिस्सा भी है। ट्रम्प ने सैन्य कार्रवाई की संभावना से भी इनकार नहीं किया है।

डेनमार्क और अमेरिका दोनों ही नाटो मेंबर

डेनमार्क और ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा हैं। डेनमार्क साम्राज्य और अमेरिका दोनों ही नाटो के सदस्य देश हैं। इन देशों की संप्रभुता और सुरक्षा की गारंटी नाटो की है।

इसके तहत किसी एक सदस्य देश के खिलाफसैन्य कार्रवाई को पूरे गठबंधन के देशों पर हमला माना जाता है। अमेरिका का डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ करीबी रिश्ता रहा है। डेनमार्क नाटो का संस्थापक सदस्य है। 1951 के रक्षा समझौते से अमेरिका को ग्रीनलैंड में मिलिट्री बेस रखने की अनुमति है। दोनों देश सुरक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और व्यापार में सहयोग करते हैं। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रीनलैंड को वेनेजुएला से जोड़कर सैन्य हस्तक्षेप की बात करते हैं, तो यह न केवल गलत है बल्कि हमारे लोगों के प्रति अनादर है।

नीलसन ने 4 जनवरी को बयान जारी कर कहा- मैं शुरू से ही शांत और स्पष्ट रूप से यह कहना चाहता हूं कि घबराहट या चिंता का कोई कारण नहीं है। केटी मिलर के पोस्ट से, जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में लिपटा हुआ दिखाया गया है, इससे कुछ भी नहीं बदलता।

यूरोपीय नेता बोले- आर्कटिक रीजन की सुरक्षा यूरोप के लिए अहम

यूरोप के कई बड़े देशों के नेताओं ने ग्रीनलैंड को लेकर एक साथ बयान जारी किया है। फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, ब्रिटेन और डेनमार्क के नेताओं ने कहा है कि आर्कटिक इलाके (ग्रीनलैंड के आसपास का इलाका) की सुरक्षा यूरोप के लिए बहुत अहम है और इसका असर पूरी दुनिया की सुरक्षा पर पड़ता है।

नेताओं ने बताया कि नाटो पहले ही कह चुका है कि आर्कटिक क्षेत्र उसके लिए अहम है। इसी वजह से यूरोपीय देश वहां अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। आर्कटिक को सुरक्षित रखने और किसी भी खतरे को रोकने के लिए वहां ज्यादा गतिविधियां और निवेश किए जा रहे हैं।

अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर को उड़ान की परमिशन में हुई देरी, केंद्र पर साजिश का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के बीरभूम दौरे को लेकर मंगलवार को काफी अनिश्चितता बनी रही। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुमति न मिलने के कारण उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा उनके कार्यक्रमों में रुकावट पैदा कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, अभिषेक को मंगलवार दोपहर दक्षिण 24 परगना के बेहाला से बीरभूम जिले में रण संकल्प सभा में शामिल होने के लिए कोलकाता के बेहाला फ्लाइंग क्लब से हेलीकॉप्टर से रवाना होना था। उसी दौरान नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हेलीकॉप्टर उड़ाने की परमिशन नहीं दी, जिसके चलते उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया, इसके बाद परमिशन मिली। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा के लोग डर रहे हैं, इसलिए हमारे कार्यक्रम में भी रुकावट पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग तृणमूल कांग्रेस से इतने डर गए हैं कि अब हमारे कार्यक्रमों में भी रोक लगाने लगे हैं।

आईआरसीटीसी घोटाला : तेजस्वी यादव की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। इस याचिका में तेजस्वी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में उनके और परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था। मामले की संक्षिप्त सुनवाई के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की सिंगल-जज बेंच ने सीबीआई से जवाब मांगा और तेजस्वी यादव की आपराधिक रिवीजन याचिका के साथ-साथ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की अर्जी पर भी नोटिस जारी किया। तेजस्वी यादव की ओर से पेश हुए सीनियर वकील कपिल सिब्बल और मनिंदर सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि उनके पिता लालू प्रसाद यादव की ओर से दायर इसी तरह की याचिका पहले ही 14 जनवरी को सुनवाई के लिए लगी है। इस बात पर ध्यान देते हुए जस्टिस शर्मा ने निर्देश दिया कि तेजस्वी यादव की याचिका पर भी उसी तारीख को विचार किया जाए।

अपनी याचिका में तेजस्वी यादव ने राऊज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के संबंध में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित अपराधों के लिए उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार पाए गए थे।

13 अक्टूबर 2025 को पारित एक आदेश में, राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत ट्रायल का रास्ता साफ कर दिया था।

सैनिक स्कूल के प्रस्ताव पर डीईओ की लापरवाही से मचा हंगामा जनप्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा

अधिकारी ने स्वीकार की बड़ी चूक कहा पत्र में एक जरूरी लाइन लिखना भूल गया था।अब जमीन के लिए एसडीएम को लिखा पत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में कृषि महाविद्यालय की भूमि चयन को लेकर चल रहा विवाद अभी थमा भी नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर अब जिले को मिलने वाले सैनिक स्कूल को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।सैनिक स्कूल के लिए भूमि आवंटन और प्रस्ताव भेजने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है।जिसके बाद जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस लापरवाही ने जिले के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में मिलने वाली एक बड़ी सौगात पर संकट के बादल मंडरा दिए थे।?क्या है पूरा विवाद ?मिली जानकारी के अनुसार बीते 17 नवंबर को संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग द्वारा जिले में नवीन सैनिक स्कूल खोलने के संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव मांगा गया था। शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा कार्यालय से स्कूल हेतु आवश्यक भूमि और वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी मांगी थीं। पर ?हैरानी की बात यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी ने 11 दिसंबर को संचालक को पत्र लिखकर यह जवाब भेज दिया कि जिले में वर्तमान में मूलभूत सुविधाएं और भूमि चिन्हांकित नहीं है।इसलिए अभी नवीन सैनिक स्कूल का संचालन संभव नहीं है।जैसे ही इस नकारात्मक जवाब की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को लगी गरियाबंद जिले की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया।?विधायक और भाजपा नेताओं ने जताया कड़ा आक्रोश

?इस मामले को लेकर राजिम विधायक रोहित साहू,नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव और मुरलीधर सिंहा ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है।जनप्रतिनिधियों ने इसे अधिकारी की लापरवाही बताते हुए कहा कि जिले को मिलने वाली इतनी बड़ी उपलब्धि को प्रशासनिक शिथिलता के कारण खोने नहीं दिया जाएगा।मामले के तूल पकड़ते ही 29 दिसंबर को जिला शिक्षा अधिकारी ने अपनी गलती सुधारते हुए।राजिम एसडीएम को पत्र लिखकर जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

जमीन को लेकर शुरू हुई दावेदारी

इस पूरे प्रकरण के बाद अब जिले में सैनिक स्कूल को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि उनके क्षेत्र में सैनिक स्कूल के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जमीन उपलब्ध है।इसे हर हाल में अपने क्षेत्र में खुलवाने का प्रयास करेंगे।दूसरी ओर भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश मंत्री नरोत्तम साहू ने कहा हैं कि जिला मुख्यालय में ही खुलना चाहिए।

इससे हमारे गरियाबंद जिला के देवभोग,मैनपुर,अमलीदरछुरा सहित वन अंचल क्षेत्र के लोगों सहित पूरा जिला को लाभ होगा। नवोदय स्कूल को जिला मुख्यालय दूर पाण्डुका में खोला गया।कृषि महाविघालय खोलने का विवाद गरियाबंद जिला में शांत नहीं हुआ हैं।जिला मुख्यालय में ही खुलना चाहिए।पर्याप्त मात्रा में जमीन होने का दावा किया है।?वहीं इस मामले पर गरियाबंद डीईओ ने कहा मुझसे और मेरे ऑफिस से गलती हुई हैं। जब इस पूरे विवाद पर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर का पक्ष जाना गया।तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी गलती स्वीकार हैं।उन्होंने कहा मुझसे और मेरे ऑफिस से बड़ी गलती हुई है।दरअसल हमारे पास इसका कोई सही प्रारूप फॉर्मेट नहीं था।पत्र लिखते समय मैं यह महत्वपूर्ण लाइन लिखना भूल गया था कि जमीन मिलते ही हम विस्तृत प्रस्ताव भेजेंगे।अब हमने जिले के सभी एसडीएम को जमीन के लिए पत्र के माध्यम से जानकारी मांगा गया है।

संक्षिप्त-खबर

पंचों ने सरपंच के खिलाफखोला मोर्चा,,सरपंच को पद से पृथक करने की मांग

सारँगढ़ (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत तिलाईदादर जनपद पंचायत सारंगढ़ के सरपंच संजय भारती द्वारा फर्जी बिल व्हाऊचर प्रस्तुत कर 15वें वित्त योजना की राशि आहरित कर गबन करने के संबंध में उचित दण्डात्मक कार्यवाही करते हुये सरपंच को पद से पृथक करने व गबन की गई राशि की वसूली कराने पंचों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जिसमें ग्राम पंचायत तिलाईदादर जनपद पंचायत सारंगढ़ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) के सरपंच श्री संजय भारती द्वारा 15वें वित्त योजना हेतु मौका स्थल में किसी प्रकार से कार्य किये बिना ही अनुज सिदार टेक्टर्स एवं संतराम यादव टेक्टर्स के नाम से विभिन्न कार्यों के लिये निर्माण सामाग्री व मजदूरी भुगतान हेतु बिना जी.एस.टी. वाला फर्जी बिल संलग्न कर कुल 2,04,641/-(दो लाख चार हजार छः सौ इकचालीस रूपये) आहरित कर राशि गबन किया गया है। उक्त संबंध में समुचित जांच करते हुये 15वे वित्त योजना हेतु आहरित की गई उपरोक्त राशि को सरपंच से वसूली करने एवं सरपंच के विरूद्ध उचित दण्डात्मक कार्यवाही किया जाकर पद से पृथक करने की निवेदन किया। नागेश्वर अजय,किशन निराला,पुष्पेंद्र जोल्हे,भूपेंद्र जोल्हे, कृष्णा भारद्वाज,जगराम खूंटे,रवि खूंटे,रामनाथ, लैनदास भारती, राकेश खूंटे ग्रामवासी आदि उपस्थित थे।

संजय नगर में यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा के संजय नगर के खेल मैदान में दिनांक 06 जनवरी दिन मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम पुलिस थाना बिर्रा के थाना प्रभारी निरीक्षक जयकुमार साहू के द्वारा आयोजित किया गया। यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत नवययुवकों को यातायात नियमों के संबंध में शासन से प्राप्त दिशा निर्देश बताकर एवं समझा कर थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू के द्वारा जागरूक किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक जय कुमार साहू ने यहां पर उपस्थित लोगों से अपील करते हुए बताया कि तीन सवारी मोटरसाइकिल वाहन नहीं चलाना है। बिना लाइसेंस के कोई भी गाड़ी नहीं चलाना है अर्थात लाइसेंस की अनिवार्यता सभी वाहन में बहुत जरूरी है। दो पहिया वाहन चलाने वाले को हेलमेट की अनिवार्यता बहुत जरूरी है। मोटरसाइकिल चलाने वाले वाहन चालकों को दुर्घटना के समय सिर पर चोट लगने से हेलमेट बचाता है और जान जाने की संभावना बिल्कुल कम हो जाती है। पैदल चलने के दौरान भी सभी राहगीरों को सड़क छोड़कर नियमानुसार यातायात के नियमों का पालन करते हुए चलना चाहिए। इसके साथ ही हम सभी को वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करना चाहिए ।शराब पीकर वाहन नहीं चलाना है। माल वाहक गाड़ी अर्थात सामान ढोने वाले जैसे पिकअप ,डग्गा, ट्रैक्टर आदि वाहनों में सवारी के रूप में नहीं बैठना और न ही मालवाहक में सवारी बैठना चाहिए । इस अवसर पर गांव के नागरिक गण के अलावा युवा साथी बड़ी संख्या में उपस्थित है।

कलेक्टर ने ली शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के प्राचार्यों की बैठक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने मंगलवार को आकांक्षा आवासीय विद्यालय जांजगीर के सभाकक्ष में आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने स्कूलवार परीक्षा परिणामों का विश्लेषण कर कम परिणाम के कारणों पर चर्चा की और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर रणनीति के साथ शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में अब अधिक समय शेष नहीं है, ऐसे में रणनीति के साथ बच्चों को तैयारी कराई जाए। कठिन विषयों पर निरंतर अभ्यास, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर विशेष मार्गदर्शन, विषयवार ब्लूप्रिंट की समझ तथा पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास अनिवार्य रूप से कराया जाए। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने कहा।

बैठक में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम ही शिक्षकों के कार्य का वास्तविक मूल्यांकन हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन देकर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिले के विद्यार्थी राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। यही सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, मेन्यू के अनुसार वितरण तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए।

लीनेस क्लब दुर्ग सिटी की आकांक्षा मिश्रा बनी अध्यक्ष

दुर्ग (समय दर्शन)। लीनेस क्लब दुर्ग सिटी का शपथ ग्रहण का कार्यक्रम दुर्ग के दीपक नगर स्थित एवेलॉन होटल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ली. रश्मि अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट, ली. शबाना नाज वाइस मल्टीपल प्रेसिडेंट द्वितीय मुख्य अतिथि रहे। शपथ अधिकारी पास्ट मल्टीपल प्रेसिडेंट ली. मृदुला रोजिंदार ने क्लब के सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रीज़न पर्ल की रीज़न ऑफिसर ली. रश्मि लखोटिया मौजूद रहे। उनके द्वारा क्लब में शामिल हुए 3 नए सदस्यों ली. सरिता मिश्रा, ली. श्रुति तिवारी और ली. कमलेश शर्मा को शपथ दिलाया गया। साथ ही क्लब की एरिया ऑफिसर ली. हेमा टोंडर की उपस्थिती ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में मंच संचालन ली. रुचि सक्सेना द्वारा किया गया। ली. विभा गुप्ता द्वारा ध्वज वंदना पढ़ा गया। निवृतमान अध्यक्ष ली. अनीता तिवारी ने सभी उपस्थित मेंबर्स और अतिथिओं का स्वागत करते हुए स्वागत भाषण दिया। ली. सिंधु चंदेल और ली. मंजू बरमेचा को परमानेंट प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित किया गया। ली. राजकुमारी तिवारी द्वारा शपथ अधिकारी ली. मृदुला रोजिंदार का जीवन परिचय पढ़ा गया और ली. पुष्पा पाण्डेय द्वारा डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ली. रश्मि अग्रवाल का जीवन परिचय पढ़ा गया। सभी अतिथियों द्वारा निरंतर अच्छे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शपथ लेने के पश्चात नई अध्यक्ष ली. आकांक्षा मिश्रा ने अपने पद को स्वीकार करते हुए और पूरी निष्ठा के साथ, सभी मेंबर्स को साथ लेके चलते हुए निरंतर अच्छे कार्य करने के वचन के साथ स्वीकृति भाषण दिया। कोसा अध्यक्ष के पद पर शपथ लेने के पश्चात कार्यक्रम में आभार ली. रितु ठाकुर ने दिया। कार्यक्रम में ली.पुष्प मित्रा, ली. सीमा गुप्ता, ली. पद्मा मुखर्जी, ली अनीता मालू, ली. पूर्णिमा गुप्ता, ली.स्नेहलता साहू , ली. लक्ष्मी चंद्राकर, ली. उमा राय, ली. दुर्गेश नंदिनी दुबे उपस्थित थे।

गौवंश व मूक प्राणियों की सेवा में संस्कारधानी के युवाओं का अनुकरणीय योगदान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। स्वार्थ और भौतिकता के इस दौर में भी संस्कारधानी राजनांदगांव के जागरूक युवा और सेवा भाव से प्रेरित संस्थाएं गौवंश एवं मूक प्राणियों की सेवा में लगातार सक्रिय हैं। नि:स्वार्थ भाव से किए जा रहे ये प्रयास न केवल मानवता का उदाहरण हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रहे हैं।

शहर के युवाओं और संस्थाओं द्वारा अपने निजी खर्च और समाज से जुटाए गए सहयोग से बेसहारा, बीमार और घायल गौवंश व श्वानों की देखभाल की जा रही है। नियमित चारा-पानी की व्यवस्था, ठंड और गर्मी से बचाव के इंतजाम, पशु चिकित्सकों की मदद से उपचार व टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल गौवंश को तत्काल उपचार उपलब्ध कराना भी इनकी सेवा भावना को दर्शाता है।

गौ-सेवा के क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल गौरक्षा टीम के सुनील सेन, राहुल मिश्रा, प्रणय मुल्लेवार, गौरव शर्मा, प्रिंस हथिबेड, सागर यादव, ईशान पित्रोवद, करण तंवर, भावेश निर्मलकर, मोहित यादव, सन्मय श्रीवास्तव एवं उनके साथी उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं गौ करुणा समिति के जैनम बैद, कोणार्क अग्रवाल, डॉ. चुरेंद्र चंद्रवंशी, शिवा वाधवानी सहित अन्य सदस्य भी सक्रिय हैं।

टीम स्वास्तिक जनसमर्पण समिति द्वारा गौवंश की सुरक्षा के लिए रेडियम बेल्ट और गौ कोट वितरण जैसे सराहनीय कार्य किए गए, जिसमें अंशुल कसार, सत्यम मिश्रा, रिभय यादव, दिव्यांश साहू, यश साहू, विनय राजपूत, गोपेंद्र साहू और सोहन साहू शामिल रहे। इसके अलावा श्वानों की सेवा के क्षेत्र में शिवानी तिवारी, हर्ष ठाकुर, नगमा अंसारी और पीयूष कश्यप द्वारा निरंतर प्रशंसनीय कार्य किए जा रहे हैं। गौ-सेवा से जुड़े युवा न केवल स्वयं श्रमदान कर रहे हैं, बल्कि जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज के अन्य लोगों को भी इस पुण्य कार्य से जोड़ रहे हैं। उनका उद्देश्य केवल सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में करुणा, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना भी है। चारा संग्रह अभियान, आर्थिक सहयोग और गौशालाओं के विकास व संरक्षण के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

सेवाभावी कार्यकर्ताओं का कहना है कि गौ-माता की सेवा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय दायित्व भी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस सेवा कार्य में सहभागी बनें और यथासंभव सहयोग प्रदान करें।

निस्संदेह, शहर के युवाओं और संस्थाओं द्वारा किया जा रहा यह गौ-सेवा कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

11वीं सब जूनियर नेशनल मिनीगोल्फ चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की दमदार मौजूदगी

नागपुर(समय दर्शन)। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 3 जनवरी से 8 जनवरी 2026 तक आयोजित 11वीं सब जूनियर/जूनियर नेशनल मिनीगोल्फचैंपियनशिप 2025-26 में छत्तीसगढ़ की सब जूनियर एवं जूनियर टीमें शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबले खेल रही हैं। सब जूनियर गर्ल्स टीम ङ्क छत्तीसगढ़ का उम्दा प्रदर्शन टीम का नेतृत्व एंजल पटेल (कप्तान) कर रही हैं। टीम में संस्कृति पटेल, दिशा पटेल, तेजश्वरी नायक, प्राची चौधरी एवं प्रकृति चौधरी शामिल हैं। डबल इवेंट में एंजल पटेल एवं दिशा पटेल की जोड़ी भाग ले रही है। वही मिक्स डबल इवेंट में भावेश महापात्र और संस्कृति चौधरी की जोड़ी है ।

दूरदर्शी एवं रणनीतिकार :- वंदना मिंज (बगीचा, जिला जशपुर) ङ्क दो बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप खिलाड़ी, 37वें राष्ट्रीय खेल (गोवा) में मिक्स डबल इवेंट की रजत पदक विजेता एवं छत्तीसगढ़ शासन से ?1,60,000 की इनामी राशि एवं सम्मान प्राप्त हैं।

इस टीम की खास बात यह है कि टीम मैनेजर: प्रवीण नायक महासमुन्द से हैं जो हर पायदान पर खिलाडियों को तराशकर उम्दा प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

सब जूनियर बॉयज़ टीम छत्तीसगढ़ :- टीम के कप्तान हर्षवर्धन पटेल हैं। अन्य खिलाड़ी डिंकल नायक, यश नायक, भावेश महापात्र एवं रेयान पटेल हैं। डबल इवेंट में हर्षवर्धन पटेल एवं डिंकल नायक की जोड़ी प्रतिस्पर्धा कर रही है।

कोच: नीलसागर पटेल (महासमुंद) ङ्क 37वें राष्ट्रीय खेल (गोवा) में मेन्स डबल इवेंट के स्वर्ण पदक विजेता एवं छत्तीसगढ़ शासन से ?2,00,000 की इनामी राशि से सम्मानित।

मैनेजर: सुभाष साहू महासमुंद

जूनियर गर्ल्स डबल इवेंट छत्तीसगढ़- लिजा नायक एवं प्रकृति चौधरी की जोड़ी जूनियर वर्ग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रही है।

कोच: प्रेरणा सिंह (सूरजपुर) ङ्क दो बार वर्ल्ड मिनीगोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय टीम की सदस्य, 37वें राष्ट्रीय खेल (गोवा) में सिंगल इवेंट की कांस्य पदक विजेता एवं छत्तीसगढ़ शासन से 240,000 की इनामी राशि एवं सम्मान प्राप्त।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था के संबंध में ली बैठक

अवैध धान खरीदी पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश, सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकाबंदी के भी दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में कानून एवं व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने संयुक्त रूप से अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम, तहसीलदार एवं डीएसपी-टीआई के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उनके पारस्परिक सहयोग से किसी भी बड़ी कानून-व्यवस्था की स्थिति को समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिना जिला प्रशासन की अनुमति के कोई भी हड़ताल, धरना या प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। साथ ही 18 वर्ष या उससे कम आयु के स्कूली छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की रैली या प्रदर्शन में शामिल नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध रूप से धान के परिवहन की शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध धान खपाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा जंगल क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों पर विशेष ध्यान देकर संबंधित दुकानों के सीसीटीवी कैमरों से नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम से धान खरीदी के संबंध में विकासखंडवार जानकारी ली।

समाज एवं धर्म की आड़ में राजनीति कर रही भाजपा-भूपेश बघेल

क्षेत्रीय झेरिया गड़रिया धनकर(पाल)समाज पाटन एवं धमतरी राज के सभागार भवन का भूमिपूजन संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा की साय सरकार को आड़े हाथों लेते हुए समाज एवं धर्म में राजनीति करने का आरोप लगाया।उन्होंने सभी समाज के पदाधिकारियों से अपील भी किया कि ऐसे नेताओं के चालचलन को भलीभांति समझे।गलत कार्यों का विरोध भी करें,समाज हित के लिए हमेशा आवाज बुलंद करते रहे।आज ढालसिंह धनकर जैसे सामाजिक बंधु हमेशा अपने समाज की मांगों को मंच में रखकर आने वाली पीढ़ी के लिए

नए बीज बोए है,जिसका अनुसरण सभी पदाधिकारियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।उन्होंने आगे बतलाया कि आज किसान,मजदूर,महिला युवाओं सहित सभी को ठगने का कार्य साय सरकार कर रही है।सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है।मनरेगा जैसी योजनाएं ग्रामीणों के द्वारा ग्राम सभा प्रस्ताव से स्वीकृत होने वाली थी उसको भी बंद,बेरोजगारी भत्ता बंद।पंचायत के सरपंच भी विकास कार्यों की आस में निराश बैठे है,15 वे वित्त,मूलभूत राशि बंद। हमने आज सामाजिक बंधु की मांग पर विधायक निधि से 16.50 लाख कौही में मंदिर परिसर में विकास कार्यों की आधारशिला रखे है। मंच पर अध्यक्ष पोखन लाल पाल(पूर्व अध्यक्ष महासभा एवं सलाहकार धमतरी/ पाटन राज),अशोक साहू विधायक प्रतिनिधि,राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,रश्मिभेदप्रकाश वर्मा जनपद सदस्य,लीना सुरेश साहू (सरपंच,कौही),योगेश्वर साहू जी (अध्यक्ष मंदिर समिति कौही),सोहन जोशी जोन प्रभारी,भविष्य जैन सेक्टर प्रभारी मंचासिन थे।

इस अवसर पर शैलेन्द्र पाल (अध्यक्ष), ढालसिंह धनकर (अध्यक्ष), भेष आठे,रूपेंद्र शुक्ला, कमलेश नेताम,सीताराम ठाकुर, सत्यनारायण टिकरिहा,ईश्वर निषाद, कामेश कश्यप सरपंच, हेमलाल सोनकर उपसरपंच,धनेश्वर देवांगन, द्रोपति साहू, पोखन पाल, पुरुषोत्तम धनकर, डा तुलाराम पाल, दुखुराम धनकर, जनक धनकर, सोहन पाल, विश्वकर्मा पाल, खेमराज, गंगा, दीनदयाल,खिलावन,नारद पाल, लोकेश, लीलाधर, हरिराम, हरिश्चंद्र, सूरज धनकर सहित सामाजिक बंधु एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विद्यार्थियों को दिया फिट इंडिया का संदेश

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आ में सत्र 2025 26 में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल और क्रीड़ा प्रभारी डॉ नरेश धर दीवान के नेतृत्व में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया । विभिन्न वर्गों की प्रतियोगिताओं में 100, 400 ,800 मीटर दौड़ , गोला फेंक , भाला फेंक ,लंबी कूद, ऊंची कूद बैडमिंटन, क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए खेलकूद के द्वारा अपने भविष्य के निर्माण का संदेश दिया और यह भी बताया कि किस प्रकार आज खेलकूद विद्यार्थियों को बुरी संगत और आचरण से बचाता है , यदि विद्यार्थी में खेलकूद की हॉबी शुरू से हो तो वह मोबाइल और सोशल

मीडिया के दुष्प्रभावों से बचा रहेगा, आज आवश्यकता है कि हमें बच्चों को खेलकूद की तरफप्रोत्साहित करना चाहिए ।क्रीड़ा प्रभारी डॉ नरेश् दीवान ने भी विद्यार्थियों को पूरे जोश से और अपने स्वास्थ्य गत लाभ को प्राप्त करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के फिट इंडिया संदेश के साथ निरंतर खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा प्रतिभागियों को अमूल कूल दुग्ध और फल का वितरण करके प्रोत्साहित किया । विजेता विद्यार्थियों को महाविद्यालय में होने वाले वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाएगा । प्रतियोगिता के मुख्य परिणामों में 100 मीटर दौड़ छात्र वर्ग में प्रथम बीए तृतीय वर्ष के राहुल कुमार , द्वितीय बीकॉम तृतीय वर्ष के तुकेश कुमार , 100 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग में बीए प्रथम से वंदनी साहू , बीकॉम तृतीय वर्ष से मल्लिका यादव द्वितीय रही , 400 मीटर दौड़ में बीएससी थर्ड सेमेस्टर से गजेंद्र कुमार प्रथम , बीएससी थर्ड सेमेस्टर से होमेन्द्र कुमार द्वितीय रहे , छात्रा वर्ग में 400 मीटर दौड़ में प्रेरणा बंजारे प्रथम सेमेस्टर से प्रथम, बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी सेवती द्वितीय स्थान पर रही, 800 मीटर दौड़ में बीएससी तृतीय सेमेस्टर से गजेंद्र कुमार प्रथम, बीएससी तृतीय सेमेस्टर से आशीष कुमार द्वितीय स्थान पर रहे ।

गोला फेक प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम से योगेश कुमार प्रथम , बीएससी प्रथम से मयंक द्वितीय रहे । गोला फेंक प्रतियोगिता में छात्राओं में कुमारी ऐश्वर्या और कुमारी प्रेरणा ने बाजी मारी । भाला फेंक प्रतियोगिता में आशीष साहू बीएससी तृतीय वर्ष प्रथम और बीए तृतीय वर्ष राहुल कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।लंबी कूद प्रतियोगिता में राहुल कुमार तृतीय वर्ष प्रथम और आशीष साहू बीएस सी तृतीय सेमेस्टर द्वितीय रहे ।लंबी कूद प्रतियोगिता में कु वंदिनी साहू बीएससी प्रथम सेमेस्टर प्रथम और बीएससी तृतीय वर्ष की कु सेवती द्वितीय रही । ऊंची कूद कुमारी मल्लिका यादव बी कॉम तृतीय वर्ष प्रथम और कुमारी देवती द्वितीय स्थान पर रही । बैडमिंटन प्रतियोगिता में इस वर्ष तुषार कुमार साहू बीकॉम तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और बीकॉम तृतीय से ही उमेश कुमार द्वितीय स्थान पर रहे । छात्रा बैडमिंटन श्रेणी में प्रथम कु भूमिका , और द्वितीय बीकॉम प्रथम से प्रेरणा देशमुख रही। मिक्स डबल्स बैडमिंटन प्रतियोगिता में तुषार कुमार साहू और झमिता बीकॉम तृतीय वर्ष से विजेता रहे और उपविजेता आशीष साहू और लालिमा सोनवानी रहे। वर्ष भर कि प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया और इस पूरे कार्य को संयोजित और सफल बनाने में सभी अधिकारी कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग रहा।

न्यायधानी बिलासपुर के समग्र विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर हुई व्यापक चर्चा

शहरों के संतुलित, समावेशी और योजनाबद्ध विकास को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बिलासपुर नगर निगम एवं आसपास के क्षेत्रों के विकास को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में बिलासपुर शहर तथा बाह्य क्षेत्रों में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए यहां संतुलित, समावेशी और योजनाबद्ध विकास आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और इसी के अनुरूप शहरी अधोसंरचना को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रगतिरत योजनाओं को तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और इससे जुड़ी परियोजनाओं पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिलासपुर को उद्योग एवं पर्यटन की दृष्टि से प्राथमिकता में रखते हुए विकास की योजनाएं तैयार की जाएं। श्री साय ने बताया कि पिछले दो वर्षों में सरकार द्वारा निरंतर नए विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है।

साथ ही आने वाला बजट भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और इसके माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना भी साकार होगी। उन्होंने कहा कि विभागों के आपसी समन्वय से ही बेहतर परिणाम सामने आएंगे और गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

बैठक में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, ड्रेनेज, प्रदूषण मुक्त शहर, यातायात व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, आवास, ई-बस सेवा, हवाई यातायात, ट्रांसपोर्ट नगर, उद्योग एवं व्यापार, पर्यटन तथा अरपा विशेष क्षेत्र विकास परियोजना (अरपा साडा) से जुड़े विषयों पर बिंदुवार मंथन किया गया और विभिन्न विषयों पर सहमति भी बनी। इसमें सिम्स के नए अस्पताल भवन के लिए एएस जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पीपीपी मोड पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार हेतु डिफेंस को राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी दी गई, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही एयरपोर्ट के अन्य विकास कार्यों एवं नाइट लैंडिंग सुविधा को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए। ट्रांसपोर्ट नगर सिलपहरी के विकास का कार्य सीएसआईडीसी द्वारा किए जाने तथा भूमि हेतु आवेदन प्रस्तुत करने पर सहमति बनी। उसलापुर रेलवे ओवरब्रिज के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे आगामी बजट में शामिल करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त बिलासपुर के राजीव गांधी चौक, नेहरू चौक, महामाया चौक (वाय आकार) - रतनपुर मार्ग तक 305 करोड़ की लागत से फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण, पुराना बस स्टैंड चौक पर सीएमडी चौक-इमलीपारा रोड-टैगोर चौक-जगमल चौक तक 115 करोड़ की लागत से फ्लाई ओवर का निर्माण, एफसीआई गोडाउन व्यापार विहार क्षेत्र को सिरगिट्टी-महमंद बायपास से जोड़ने हेतु 320 करोड़ की लागत से तारबहार फोरलेन रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार शहर के यातायात दबाव को कम करने हेतु 950 करोड़ की लागत से फोरलेन बिलासपुर रिंग रोड निर्माण के लिए एनएचएआई की सहमति के आधार पर लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनी। खारंग जलाशय में पाराघाट व्यपवर्तन योजना के लिए 328 करोड़ रुपये, नगर निगम क्षेत्र में अरपा नदी के एसटीपी एवं ड्रेनेज कार्यों के लिए 252 करोड़ रुपये तथा बिलासपुर शहर की जलभराव समस्या के समाधान हेतु आपदा प्रबंधन निधि से 150 करोड़ रुपये दिए जाने की सहमति बनी।

'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान को मिल रही जमीनी मजबूती

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से साकार होता नजर आ रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता के चलते दुर्गम एवं पहुँचविहीन क्षेत्र में नदी-नाले पार कर 12 वर्षीय बालिका का बाल विवाह समय रहते रोका गया। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल एक मासूम का भविष्य सुरक्षित हुआ, बल्कि समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध सशक्त संदेश भी गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 जनवरी 2026 को प्रशासन को सूचना मिली कि सुकमा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रामाराम के सुदूर गांव नाड़ीगुफा में एक नाबालिक बालिका का विवाह किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के मार्गदर्शन में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन तथा विभागीय अमले की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने उफनते नदी-नालों और अत्यंत दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पैदल यात्रा कर गांव तक पहुँच बनाई और समय रहते विवाह प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया। मौके पर यह पाया गया कि पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी थीं। अधिकारियों द्वारा संवेदनशीलता के साथ परिजनों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, कानूनी दायित्वों तथा इसके गंभीर सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। प्रशासन की समझाइश का सकारात्मक प्रभाव पड़ा और परिजनों ने स्वेच्छा से बाल विवाह रोकने का निर्णय लिया। ग्रामीणों की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा तैयार कर कार्रवाई को औपचारिक रूप दिया गया।कार्रवाई के दौरान बालिका को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उसके सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य के लिए परिजनों को प्रेरित किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न बाल संरक्षण एवं शिक्षा से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 10 मार्च 2024 को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ किया गया था। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 13,823 बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को अधिसूचित किया गया है।

बुजुर्गों को नई ऊर्जा देता है श्रवण यन्त्र : लेखनराम धृतलहरे

प्रथम सप्ताह में 26 बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र का वितरण

रायपुर। 85 वर्षीय लेखनराम धृतलहरे , 83 वर्षीय सुरेन्द्र प्रसाद साहू जैसे सैकड़ों बुजुर्ग हैं जिनका मानना है कि श्रवण यन्त्र बुजुर्गों में जीवन जीने की नई ऊर्जा का संचार करता है क्योंकि जीवनभर बातचीत करने के बाद जब सुनाई नही देता तो कम्युनिकेशन में बड़ी प्रॉब्लम होती है जिसका सॉल्यूशन श्रवण यन्त्र ही है।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि नववर्ष के प्रथम सप्ताह में 26 बजुर्गों को श्रवण यन्त्र का वितरण किया गया है । वितरण का प्रोसेस बिल्कुल सम्मान्य है केवल बुजुर्ग को हमसे संपर्क करना है कोई औपचारिकता नही है उपलब्ध श्रवण यन्त्र दे दिया जाता है । वर्ष 2026 में 1000 से ज्यादा श्रवण यन्त्र वितरण का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम सप्ताह में रमेशचंद निर्मला संचेती परिवार की ओर से 4 , ललित अनिता ओस्तवाल भाटापारा की ओर से 4 व रमेश अंकुश छाजेड़ परिवार की ओर से 2 बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र प्रदान किया गया। जैन संवेदना ट्रस्ट के वीरेन्द्र डागा ने बताया कि साधर्मिक भाई बहनों से प्रति श्रवण यन्त्र 750 / ? की सहयोग राशि स्वीकार की जाती है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मूक पशु पक्षियों की सेवा , मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यन्त्र , कृत्रिम हाथ , कैलिपर्स , वैशाखी , बी पी नापने की मशीन , शुगर टेस्टिंग मशीन का नि:शुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई बहनों के स्वावलंबी जीवन , व्यवसायिक उत्थान व विवाह योजना पर लगातार कार्य किये जाते हैं । जिन बच्चों बुजुर्गों को कम सुनाई देता है वे आड़ियोमैट्री जांच करवा कर महेन्द्र कोचर 9301056004 व विजय चोपड़ा 9301739494 से सम्पर्क कर सकते हैं ।

रेरा ने वॉलफोर्ट एलेन्सिया परियोजना के प्रमोटर पर ठोका 10 लाख का जुर्माना

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने रायपुर स्थित 'वॉलफोर्ट एलेन्सिया' परियोजना के प्रमोटर के विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत 10 लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि परियोजना में विकास कार्य नगर तथा ग्राम निवेश विभाग (टाउन एंड कंट्री प्लानिंगङ्क ञ्×ष्टक्क) द्वारा स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप नहीं किया गया। स्वीकृत ले-आउट से हटकर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्ञ्जक्क) का निर्माण किया गया, जो रेरा अधिनियम की धारा 14(1) का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त धारा के अनुसार, किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का विकास सक्षम प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित रेखांकन, ले-आउट एवं विनिर्देशों के अनुसार ही किया जाना अनिवार्य है।

प्राधिकरण ने यह भी संज्ञान में लिया कि वर्तमान में उक्त स्ञ्जक्क का उपयोग परियोजना के आबंटितियों द्वारा किया जा रहा है। आबंटितियों के हितों और सार्वजनिक उपयोग को प्रभावित न करने के उद्देश्य से इस स्तर पर स्ञ्जक्क को ध्वस्त करने अथवा पुनर्निर्माण संबंधी कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है।

हालांकि, स्वीकृत ले-आउट से किए गए इस विचलन को गंभीर उल्लंघन मानते हुए प्राधिकरण ने प्रमोटर को उत्तरदायी ठहराया है और रेरा अधिनियम की धारा 14(1) के उल्लंघन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। छत्तीसगढ़ रेरा ने पुनः स्पष्ट किया है कि स्वीकृत ले-आउट अथवा योजनाओं से बिना सक्षम प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के किया गया कोई भी परिवर्तन गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने चार मेडिकल स्टोर संचालकों और एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एम.आर.) सहित कुल 05 आरोपियों को किया गिरफ्तार

17,808 नशीली टेबलेट के साथ मेडिकल सप्लाय सिंडिकेट का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की सप्लाय में शामिल एक संगठित सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार मेडिकल स्टोर संचालकों और एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एम.आर.) सहित कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17,808 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट (अल्प्राजोलम व स्पासमो) जब्त की है।

यह अवैध कारोबार थाना पुरानी बस्ती, टिकरापारा, खमतराई और धरसींवा क्षेत्र के मेडिकल स्टोर्स से संचालित किया जा रहा था। सभी संबंधित मेडिकल स्टोर्स को सील करने और उनके लाइसेंस निरस्त कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, नशीली टेबलेट की तस्करी अन्य राज्यों से कोरियर और बस परिवहन के माध्यम से की जा रही थी। इस मामले में कोरियर कंपनियों और बस संचालकों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की जब्ती

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक टाटा सफारी वाहन (छ्त्त 04 क्त 0513) और 05 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है। आरोपियों के विरुद्ध थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 10/26, धारा 21(सी) एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऐसे हुआ खुलासा

5 जनवरी को एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट को सूचना मिली कि कुशालपुर स्थित रत्ना मेडिकल स्टोर में बिना वैध दस्तावेज के नशीली टेबलेट बेची जा रही है। पुलिस ने टेस्ट पर्चेज कराया और पुष्टि होते ही रेड कर स्टोर संचालक कान्हा कृष्ण कश्यप उर्फ सूरज को पकड़ा। पूछताछ में उसने टेबलेट की सप्लाय आनंद शर्मा (एम.आर.) से लेना बताया। इसके बाद पुलिस ने आनंद शर्मा के ठिकाने पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में नशीली टेबलेट बरामद की। आनंद शर्मा ने स्वीकार किया कि वह यह दवाएं जबलपुर से कोरियर और बस ट्रांसपोर्ट के जरिए रायपुर मंगाता था और शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोर्स को सप्लाय करता था। इसके आधार पर पुलिस ने एक साथ तीन अलग-अलग टीमों के जरिए अन्य मेडिकल स्टोर्स पर छापा मारा, जहां अवैध रूप से नशीली टेबलेट की बिक्री करते हुए संचालकों को रंगे हाथों पकड़ा गया। प्रकरण में एक अंतर्राज्यीय आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

शामिल मेडिकल स्टोर्स

रत्ना मेडिकल स्टोर, कुशालपुर, पुरानी बस्ती, रायपुर

काव्या मेडिकोज, टिकरापारा, रायपुर

प्यारी लक्ष्मी मेडिकल स्टोर, भनपुरी, खमतराई, रायपुर

भरोसा मेडिकल स्टोर, सांकरा, धरसींवा, रायपुर

गिरफ्तार आरोपी

कान्हा कृष्ण कश्यप उर्फ सूरज (31), पुरानी बस्ती, रायपुर

आनंद शर्मा (45), न्यू चंगोराभाठा, रायपुर

धीमन मजूमदार (31), टिकरापारा, रायपुर

राहुल वर्मा (26), खमतराई, रायपुर

मोह. अकबर (29), धरसींवा, रायपुर

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन निश्चय के तहत नशे के खिलाफ कार्रवाई आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगी और सप्लाय चेन से जुड़े हर व्यक्ति को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लखमा से मिलने जेल पहुंचे भूपेश, बोले निर्दोष को एक साल से बंद रखा गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे। उन्होंने करीब एक साल से जेल में बंद लखमा से मुलाकात की। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 16 जनवरी को लखमा को गिरफ्तार किया था, तब से वे न्यायिक हिरासत में हैं।

जेल से बाहर निकलने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा के मंत्री और नेता अब अनजाने में ही सच स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक निर्दोष व्यक्ति को ईडी और ईओडब्ल्यू ने पिछले एक साल से जेल में बंद कर रखा है और भाजपा के नेता भी इस बात को मान रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर लखमा निर्दोष हैं तो फिर एफआईआर और कार्रवाई क्यों की गई।

भूपेश बघेल ने कहा कि कुछ लोग यह कह रहे हैं कि उन्होंने अपने बेटे को जेल से छुड़ा लिया। अगर ऐसा होता तो उनका बेटा जेल क्यों जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने अब तक कवासी लखमा की ओर से दायर जवाबी फाइल पर कोई रिप्लाई तक पेश नहीं किया है। उन्होंने भाजपा नेताओं से घड़ियाली आंसू बहाने बंद करने की बात कही।

भाजपा ने उठाए सवाल

गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की हाल ही में रिहाई के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी रिहाई के समर्थन में सत्यमेव जयते के पोस्टर लगाए थे। इसके बाद भाजपा ने सवाल उठाया था कि शराब घोटाले जैसे गंभीर मामले में भूपेश बघेल के बेटे को जमानत मिल जाती है, जबकि उसी केस में पूर्व मंत्री कवासी लखमा अब भी जेल में हैं।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस सरकार के दौरान राजनीतिक साजिश के तहत चुनिंदा नेताओं को फंसाया गया और आदिवासी नेता कवासी लखमा को जानबूझकर निशाना बनाया गया। पार्टी का कहना है कि अगर जांच निष्पक्ष है तो फिर एक को राहत और दूसरे को जेल में क्यों रखा गया है।

16 जनवरी को हुई थी गिरफ्तारी

उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय ने 16 जनवरी को शराब घोटाले मामले में कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद अदालत ने उन्हें सात दिन की ईडी रिमांड पर भेजा था। ईडी की ओर से पेश वकील सौरभ पांडेय ने अदालत में दावा किया है कि लखमा को हर महीने दो करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर दिए जाते थे।

रायपुर में बच्चा चोरी के शक में महिला की पिटाई, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पार्वती नगर इलाके में बच्चा चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक महिला को पकड़कर उसके साथ मारपीट कर दी। यह घटना सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला पर आरोप है कि वह मोहल्ले से एक बच्चे को उठाकर ले जाने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होंने महिला को घेर लिया। बच्चा चोरी की आशंका के चलते गुस्साए लोगों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। यह स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है कि वास्तव में बच्चा चोरी की कोई कोशिश हुई थी या फिर यह महज अफवाह के कारण हुई हिंसा है। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक स्मार्टगेटवे पेमेंट प्लेटफॉर्म सीबीडीसी (डिजिटल रुपया) के साथ हुआ इंटीग्रेट

मुंबई: एचडीएफसी बैंक ने रिज़र्व बैंक ऑफ़इंडिया की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी), डिजिटल रुपया (ई-रुपया) को अपने ऑनलाइन मर्चेंट पेमेंट प्लेटफॉर्म, स्मार्टगेटवे में इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह इंटीग्रेशन मर्चेंट को एचडीएफसी बैंक चेकआउट इकोसिस्टम के अंदर ग्राहकों को एक सुरक्षित, बिना किसी लागत वाला और सरकार समर्थित डिजिटल पेमेंट ऑप्शन देने में सक्षम बनाता है।

इस सुधार के साथ, स्मार्टगेटवे मर्चेंट अब यूपीआई, कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे मौजूदा पेमेंट तरीकों के साथ-साथ डिजिटल रुपये के ज़रिए बिना किसी ट्रांज़ेक्शन लागत के पेमेंट स्वीकार कर सकते हैं। ग्राहकों को एक आसान डिजिटल पेमेंट अनुभव का फायदा मिलता है जो तुरंत और सुरक्षित दोनों है।

एचडीएफसी बैंक दिसंबर 2025 तक उन पायलट बैंकों में से एक है जो लगभग 8.45 लाख रजिस्टर्ड सीबीडीसी वॉलेट को सर्विस दे रहा है, जिसमें हर महीने 13,000-15,000 नए वॉलेट जोड़े जा रहे हैं।

बिना किसी लागत के स्वीकार करने की सुविधा के साथ, सीबीडीसी मर्चेंट को एक भविष्य के लिए तैयार, बिना किसी बिचौलिए वाला पेमेंट तरीका प्रदान करता है जो सेटलमेंट की निश्चितता में सुधार करता है और ऑपरेशनल खर्चों को कम करता है। उपभोक्ताओं के लिए, डिजिटल रुपया यूपीआई की सुविधा के साथ आरबीआई समर्थित डिजिटल करेंसी का अतिरिक्त भरोसा प्रदान करता है, जिससे हर ट्रांज़ेक्शन तेज़, सुरक्षित और मुफ्त हो जाता है।

संपादकीय

नया साल, पुरानी चुनौतियां

नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर सचमुच संकल्प लिया जाए, तो अमन-चैन का लक्ष्य असंभव नहीं है। यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि जब 2026 विदा लेगा, तब हम आज से बेहतर एवं अधिक स्थिर हाल में हों! नव वर्ष के आरंभ पर यह कामना स्वाभाविक है कि 2026 भारत के लिए खुशहाली एवं अमन- चैन का साल हो। नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर इस दिशा में बढ़ने का सचमुच संकल्प लिया जाए, तो यह लक्ष्य असंभव नहीं है। कम-से-कम यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि 12 महीनों के बाद जब यह साल विदा लेगा, तब हम आज की तुलना में बेहतर एवं अधिक स्थिर स्थिति में हों! लेकिन ऐसा होने की पहली शर्त मौजूद चुनौतियों के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को भी स्वीकार करना होगा। नए साल का आगमन उस समय हुआ है, जब आर्थिक एवं सुरक्षा संबंधी एवं भू-राजनीति से जुड़ी समस्याएं बेहद गंभीर हो गई मालूम पड़ती हैं। गुजरा साल यह अहसास कराते हुए गया कि सीमापार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ देश के अंदर भी दहशतगर्दी की प्रवृत्तियां हमला करने की फिराक में हैं। पास-पड़ोस की हालिया घटनाओं ने इस रुझान को ताकत दी है। खासकर बांग्लादेश में जिस तरह की अस्थिरता बनी है और वहां जिस तरह के सियासी हालात हैं, उन्होंने उस सीमा पर भी सतर्कता की जरूरत बढ़ा दी है, जिसको लेकर कुछ समय पहले तक भारत आश्वस्त रहने की स्थिति में था। पाकिस्तान के साथ जुड़ी सरहद पर चुनौतियां और बढ़ी हैं। चीन के साथ संबंध भले कुछ सुधरे हों, मगर रिश्तों की जमीन भुरभुरी ही है। इन सबके ऊपर बनी वैश्विक परिस्थितियां हैं, जिनमें भारत अब संकट के मौके पर अमेरिका से मदद की उम्मीद शायद ही रख सकता है। ऐसी परिस्थितियों में भारत के पास आंतरिक शक्ति के अलावा भरोसे का कोई और विकल्प नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में अविश्वास, सामुदायिक दुराव, क्षेत्रीय तनाव आदि के कारण साझा मकसद, संपूर्ण एकजुटता, एवं दृढ़ संकल्प को हासिल करना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया नजर आता है। अत: नव वर्ष का इससे बड़ा संकल्प संभवत: और कुछ नहीं हो सकता कि इन चुनौतियों से पहले पार पाने की तरफ बढ़ा जाए। इसके लिए पहल की स्वाभाविक अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से ही होगी। क्या वह इस चुनौती के अनुरूप नव वर्ष में आचरण कर पाएगा?

नए साल का संदेश: हौसला नहीं छोड़ना !

शकील अख्तर

नया साल उत्साह भरता है। पर देखे नए साल का भी ज.कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। अब कविता बना रहे है कि ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर इनका एक कवि नहीं जिसका नाम हो और उस नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए। ज तभी दिनकर के नाम की मिलावटी तुकबंदी है। नया साल नए साल जैसा ही होना चाहिए। उम्मीदों का और हौसलों का। 2025 गया। ऐसे ही कुछ और साल भी देश और समाज को पीछे जाते देखते हुए गुजर गए।! शुरु में, 2014 में इतने बुरे की आशंका किसी को नहीं थी। भाजपा आरएसएस के विचार सबको मालूम थे मगर सिर्फ चुनाव जीतना ही सब कुछ होगा बाकी देश की कोई चिन्ता नहीं होगी यह तो तब शायद ही कोई सोच पाया था। मगर इसके बावजूद अगर हम वापसी की बात कर रहे हैं तो कोई बहुत अनोखी बात नहीं है। मानव स्वभाव ही बेहतरी की भावना से संचालित होता है। अगर ऐसा नहीं होता तो अंग्रेजों की गुलामी के दौर में देश में आजादी की भावना बलवती नहीं होती। 110 साल पहले विदेश से गांधी जब वापस भारत आए तब देश की क्या हालत थी? सोया हुआ था। निराश। नियति को स्वीकार कर चुका था। 1857 के बाद हुए अंग्रेजों के दमन के जख्म भरे नहीं थे। आजादी की वह पहली लड़ाई लड़ने वालों की पीढ़ी में से कई लोग जिन्दा थे। दिल्ली जहां सबसे ज्यादा दमन हुआ था वहां से लोगों को पलायन करना पड़ा था वह देश के दूसरो हिस्सों में जाकर उस समय अंग्रेजों द्वारा ढाए गए जुल्मों की कहानियां सुनाते थे। उस सबकी दहशत लोगों में बैठी थी। तब 1915 में इसी जनवरी महीने में गांधी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे थे। और फिर आगे की कहानी सब को मालूम है कि निराश हताश और भय में जी रहे लोगों को गांधी ने कैसे जगाया। तो उम्मीद लोगों का स्वभाव है। डर से निकलना भी चाहता है। डर में दुबक के बैठे रहना सुरक्षा का अहसास देता है। मगर वह वास्तविक सुरक्षा नहीं होती। डर का घेरा और तंग होता जाता है और व्यक्ति और सिमटता जाता है।

नया साल उत्साह भरता है। आप देख रहे होंगे कि नए साल का विरोध भी इसीलिए और तेज होता जा रहा है। कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। वह कविता, सस्ती कविता भी बना दी है। ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर अपना कोई कवि ही ऐसा है नहीं जिसका नाम हो जिसके नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए तो इसे दिनकर के नाम से प्रचारित करते हैं। पूरा नाम लिखकर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर। हद तो यह है कि एआई (आर्टिफिशियल इन्टिलिजेन्स) भी इस सतही कविता को दिनकर के नाम से ही बता रहा है।

अब भाजपा आरएसएस का प्रचार तंत्र यह तो नहीं बताएगा कि दिनकर की असली कविता तो यह है - गांधी का पी रुधिर जवाहर पर फुंफकार रहे हैं!

देखिए कितनी दूर तक देखा था दिनकर ने। 1962 में लिखा था। 60 साल से ज्यादा हो गए अभी भी जवाहर ही मुख्य निशाने पर है। जवाहरलाल नेहरू। कितने सही शब्द का इस्तेमाल किया था फुंफकार रहे हैं। फुंफकारना क्या होता है? बिना कारण लगातार जहर फैंकना। तो दिनकर की असली कविता यह है। मगर उनके नाम को यूज करना है। उसके जरिए अपने प्रतिक्रियावादी सिर्फ विरोध करने वाले विचारों को स्थापित करना है तो नए साल का विरोध उनके नाम से किया जा रहा है। नया साल मतलब साल की शुरूआत। यानि उम्मीदों की भी। और उम्मीद तोड़ना ही यथास्थितिवाद फैलाना ही इनका मूल उद्देश्य है।

वेनेजुएला संकट: अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

ललित गर्ग

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खड़े हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है। इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी। वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

अमेरिका के इशारे पर न थिरकने वाले देश कीमत चुकाने के लिए तैयार रहें!

कमलेश पांडे

अंतर्राष्ट्रीय जगत में आर्थिक और तकनीकी दृष्टिकोण से संपन्न अमेरिका अपनी 'डीप स्टेट खलनीति' के बल पर दुनिया का दादा बन चुका है। चूंकि जी-7 के देश उसके मजबूत हाथ हैं, इसलिए ब्रिक्स देशों की औकात उससे खुलेआम उलझने की आजतक नहीं बन पाई है। आखिर पहले भारत के पास-पड़ोस में, फिर ईरान में और अब बेनेजुएला के दास्तान जो चुगली कर रही हैं, उसके वैश्विक मायने तो यही हैं। अब अगला नम्बर शायद कम्बोडिया का आएगा, जिसे ट्रंफने ताजा धमकी दी है।

देखा जाए तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के स्वप्नद्रष्टा डॉनल्ड ट्रंफ उनकी मुद्रा को चुनौती दिलवाने वाले, यदा कदा उनको आंखें दिखाने वाले रूस-चीन के मजबूत समर्थकों के एक एक कर रीढ़ तोड़ने और इसी झांसे में जांबाज भारत को धमकाकर अपने खेमे में मिलाने के लिए सधी चालें चलना शुरू कर चुके हैं। डीप स्टेट से जुड़े लोगों की मानें तो आगे अमेरिका अभी बहुत कुछ करने वाला है। इस बात का संकेत कभी न्यूयॉर्क के महापौर ममदानी और भारतीय-अमेरिकी आशा जडेजा के इशारों से चलता है। ममदानी जहां खुलेआम स्वजातीय भारतीय देशद्रोहियों के पक्ष में खत लिख रहे हैं, वहीं आशा जडेजा ने तो खुलेआम भारत को रूसी सम्बन्धों पर नसीहत दी है।

मतलब साफहै कि दुनिया भर में ब्रिक्स और रिक (रूस-भारत-चीन) देशों का हौव्वा खड़ा करके रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कभी अलग अलग और कभी संयुक्त मंच पर अमेरिका विरोधी शेखी बघारते आये हैं, उनके ग्लोबल साउथ के सपनों पर बम्बार्डिंग शुरू हो चुकी है। यदि डीप स्टेट के समक्ष ट्रंफने घुटने टेके हैं तो अब उन्हें रणनीतिक बुलंदी भी मिल रही है। रूस को यूक्रेन में, भारत को पाकिस्तान-बंगलादेश से और चीन को दक्षिण चीन सागर में उलझाए रखने की जो खतरनाक अमेरिकी साजिश है, उसकी काट अभी किसी के पास नहीं है।

अभी तक एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में अमेरिका को कमजोर करने की जो चालें चीन व भारत की तरफ से अलग अलग चली जा रही थीं, इनकी हवा निकालने के लिए ही अमेरिका ने अपना आक्रामक तेवर दिखा दिया है, जिसे रोकना अब किसी के बूते की बात नहीं। सच कहूं तो अमेरिका ने 19वीं शताब्दी से ही अपना विरोधी रहे कई देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता परिवर्तन करवाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका, एशिया और मध्य-पूर्व के देश शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि वाकई ये हस्तक्षेप अक्सर डीप स्टेट के इशारे पर सीआईए के माध्यम से गुप्त अभियानों, सैन्य आक्रमणों या समर्थन के जरिए हुए। इस बात को स्पष्ट करने वाले कुछ प्रमुख ऐतिहासिक उदाहरण निम्नलिखित हैं, जो अमेरिका के विरोधी देशों को अपने हद में रहने की खुली नसीहत देते हैं। चाहे अमेरिका का पुराना प्रतियोगी सोवियत संघ हो या फिर उसके अवशेष पर खड़ा रूस और उसका नया वैश्विक पार्टनर चीन, अमेरिका के नापाक इरादों में कभी मजबूत बाधक नहीं बन पाए।

मसलन, कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इनकी अंतर्राष्ट्रीय विवशता जगजाहिर हो चुकी है। यह स्थिति जहां एकध्रुवीय विश्व की अमेरिका परिकल्पना और उसकी दादागिरी को परिपुष्ट करती है। वहीं, बहुध्रुवीय विश्व के पैरोकारों रूस, चीन और भारत आदि की नीतिगत बेचारगी की बखिया उधेड़ देती है। आइए अमेरिकी षड्यंत्र की साल दर साल मिली सफलता पर एक नजर डालते हैं। पहला, 1953 में ईरान में मोहम्मद मोसद्देघ की सरकार को अमेरिका के इशारे उखाड़ फेंका गया, और शाह को सत्ता में लाया।

दूसरा, 1954 में ग्वाटेमाला में राष्ट्रपति जैकोबो आरबेंज को हटाया गया और कार्लोस कास्टिलो आर्मास को सत्ता दी गई। तीसरा, 1963 में दक्षिण वियतनाम में राष्ट्रपति न्गो दिन्ह दीम की हत्या में सहायता दी। चतुर्थ, 1973 में चिली में सल्वाडोर एलेन्डे को उखाड़ा, और ऑगस्टो पिनोशे को सत्ता सौंपी। पांचवां, 1983 में ग्रेनाडा में सैन्य आक्रमण से सरकार बदली। छठा, 1989 में पनामा में मैनुअल नोरिएगा को हटाया। सातवां, 2003 में इराक में सद्दाम हुसैन शासन को समाप्त कर उन्हें फांसी पर लटकवाया।

आठवां, 2011में लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के पतन में सहयोग दिया। नवाँ, 2026 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंदी बनाया और कम्बोडिया के राष्ट्रपति को धमकाया। दरअसल, ये सूची प्रमुख मामलों तक सीमित है; जबकि कुल 80 से अधिक ज्ञात अमेरिकी हस्तक्षेप हुए हैं।

हैरत की बात है कि अमेरिका के विरोधी देशों ने उसके सत्ता परिवर्तनों पर अक्सर खामोशी साधी या सीमित विरोध किया, क्योंकि सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक शक्तियों का असंतुलन उन्हें प्रत्यक्ष टकराव से रोकता था। सोवियत संघ जैसे प्रतिद्वंद्वी भी कई मामलों में अपनी सीमाओं के कारण सक्रिय हस्तक्षेप से परहेज करते रहे। वह सिर्फ भारत के मामले में ही कामयाब हो पाया, जहां अमेरिका को पीछे हटना पड़ा। इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

पहला, सैन्य श्रेष्ठता: अमेरिका की परमाणु क्षमता और विशाल सेना ने विरोधियों को जोखिम लेने से रोका, जैसे चिली (1973) में सोवियत संघ ने केवल निंदा की। दूसरा, आर्थिक निर्भरता: कई देश अमेरिकी सहायता या व्यापार पर निर्भर थे, जिससे खुला विरोध अव्यवहारिक था। तीसरा, क्षेत्रीय प्रभाव: लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में अमेरिका का प्रभुत्व (मुनरो सिद्धांत) विरोध को अप्रभावी बनाता था। इसलिए सामरिक प्रतिक्रियाएं नगण्य रहीं। चतुर्थ, प्रतिसाद: विरोधी देशों ने खुद गुप्त सहायता दी, जैसे क्यूबा ने अंगोला में हस्तक्षेप किया। पांचवां, कूटनीति: संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव लाए गए लेकिन वीटो के कारण विफल रहे। छठा, आंतरिक प्राथमिकताएं: चीन-रूस जैसे देशों की अपनी घरेलू चुनौतियां सक्रिय विरोध को सीमित करती रहीं।

हैरत की बात तो यह है कि अब रूस और चीन की तरह ही गुटनिरपेक्ष देश भारत को भी अमेरिकी नसीहत मिल रही है, जो गम्भीर बात है। गत दिनों जब वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले ने दुनिया का ध्यान खींचा है तो इस घटनाक्रम पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दुनियाभर से सामने आ रहे हैं। इसी बीच भारतीय-अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा मोटवानी ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत पर तंज कसा है।

आशा ने कहा है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने रूस से बहुत सारे हथियार खरीद रखे थे। हालांकि जब अमेरिका ने हमला किया तो ये हथियार काम नहीं आए। अमेरिकी सैनिक मादुरो तक पहुंचे और उनको बंधक बनाकर अमेरिका ले आए। ऐसे में भारत को भी इससे सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि भारत के पास भी ज्यादातर रूस के ही हथियार हैं। आशा मोटवानी ने एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में लिखा, 'वेनेजुएला के रूसी मिलिट्री इक्विपमेंट अमेरिकी मिलिट्री के सामने कुछ सेकंड में टूट गए। उम्मीद है भारत देख रहा होगा। हमारे लिए यह जानना समझदारी होगी कि हमारी रोटी का कौन सा हिस्सा मक्खन लगा हुआ है, कौन हमारे ताकतवर दोस्त हैं और कौन नहीं।' अपनी पोस्ट में आशा ने भारतीय अमेरिकियों और भारतीय रूसियों की संख्या के अंतर को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हुए एक गलत आंकड़ा दिया- 'भारतीय अमेरिकी: 5,000,000। भारतीय रूसी: 5।'

दरअसल, भारतीय मूल की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा हालिया समय में अमेरिका में चर्चा में आती रही हैं। हाल ही में उन्होंने दावा किया था कि उनकी वजह से डोनाल्ड ट्रंप ने ॥1-क्रपर अपना रुख बदला था। सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा डानाल्ड ट्रंप को सबसे ज्यादा दान देने वाले लोगों में शुमार हैं। आशा जडेजा मोटवानी ने 200 से ज?यादा टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया है। उनके प्रमुख निवेशों में गूगल, पिंटरेस?ट, यूलू, क्रेडलवाइज, एडहैक टेक?नोलॉजीज, क्लिमैक?टिक और नेशनल एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक नर्स प्रैक?टीशनर्स शामिल हैं। आशा के पति राजीव मोटवानी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर रहे हैं। 2001 में उन्हें गोडेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संगम तट पर सबसे विशेष साधना है कल्पवास

माघ मेला प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक मेला है। इस मेले की सबसे विशेष साधना है कल्पवास। कल्पवास में श्रद्धालु माघ मास की एक निश्चित अवधि तक संगम के पास रहकर संयमित और सात्विक जीवन जीते हैं। यह साधना आत्मशुद्धि, अनुशासन और ईश्वर भक्ति का मार्ग है। कल्पवास करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति के योग बनते हैं। साल 2026 में माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा। हजारों श्रद्धालु कल्पवास करेंगे। आइए जानते हैं कल्पवास क्या है, इसके नियम और महत्व।

कल्पवास क्या है और कितने दिन का होता है?

कल्पवास माघ मास में संगम तट पर रहकर की जाने वाली विशेष तपस्या है। यह सामान्य तौर पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघ पूर्णिमा तक चलता है। कुछ साधक 12 वर्षों तक कल्पवास करते हैं। कल्पवासी मेले के क्षेत्र में कुटिया या टेंट बनाकर रहते हैं। वे सरल जीवन जीते हैं, नियमित स्नान करते हैं और भक्ति में लीन रहते हैं। कल्पवास का उद्देश्य इंद्रियों पर संयम, मन की शुद्धि और ईश्वर प्राप्ति है। यह जीवन को अनुशासित और सरल बनाने की साधना है।

कल्पवास के मुख्य नियम

कल्पवास में सात्विक और अनुशासित जीवन अपनाना जरूरी है।
प्रमुख नियम : प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर तीन बार संगम में स्नान।
दिन में केवल एक बार सादा सात्विक भोजन (फल, दूध, अनाज)।
भूमि पर चटाई या पुआल पर सोना।
ब्रह्मचर्य, सत्य, अहिंसा और इंद्रिय संयम का पालन।
क्रोध, झूठ, लोभ और नशे से पूर्ण दूरी।
नियमित जप, ध्यान और पूजा।
कल्पवास में क्या करें और क्या नहीं करें

क्या करें :
जप, ध्यान, पूजा और सत्संग में समय दें।
धार्मिक ग्रंथों (रामायण, गीता) का पाठ करें।
जरूरतमंदों को दान और सेवा करें।
कुटिया के पास तुलसी लगाएं और जौ बोएं।
रेत पर सोने का पालन करें - यह अर्थिंग थेरैपी की तरह काम करता है।

क्या न करें :
परनिंदा, कटु वचन या झगड़ा।
भोग-विलास, दिखावा या मोबाइल का ज्यादा उपयोग।
संकल्प अवधि में मेला क्षेत्र छोड़ना।
तामसिक भोजन या नशा।

कल्पवास का रहस्य और उद्देश्य

कल्पवास का असली रहस्य बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदरूनी परिवर्तन में है। सीमित भोजन, सरल दिनचर्या और नियमित साधना से मन शांत होता है और इच्छाओं पर नियंत्रण आता है। यह शरीर से ज्यादा मन की तपस्या है। शास्त्रों में कल्पवास को मोक्ष का मार्ग बताया गया है। संगम तट पर किया गया तप कई जन्मों के पाप नष्ट करता है। कल्पवास करने से व्यक्ति आत्मचिंतन करता है और जीवन की सार्थकता समझता है। यह साधना आत्मसंयम और भक्ति की पराकाष्ठा है।

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा है। लोग अक्सर शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान कुछ और नहीं तो कम से कम अगरबत्ती या धूप की धूनी घर में जरूर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि धूनी देने से घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और घर में सुख-शांति और पॉजिटिविटी का संचार होता है। हालांकि धूनी देने का महत्व केवल धार्मिक मान्यताओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेहत के लिए भी इसके ढेरों फायदे हैं। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें रोज शाम घर में जलाने से नेगेटिविटी तो दूर होती ही है, साथ ही ये फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिहाज से भी काफी फायदेमंद होते हैं। तो चलिए आज कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में जानते हैं, जिनका धुआं आपको शाम के समय जरूर करना चाहिए।

नीम के पत्तों की धूनी

रोज शाम घर में नीम के पत्तों की धूनी देना भी काफी फायदेमंद होता है। नीम के एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण घर में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके अलावा नीम के पत्तों की धूनी देने से मानसिक तनाव से भी छुटकारा मिलता है और दिमाग शांत होता है। ऐसा कहा जाता है कि नीम में नेगेटिविटी को सोखने की शक्ति होती है, ऐसे में ये घर में मौजूद नेगेटिविटी को दूर कर एक सकारात्मक और खुशनुमा माहौल बनाने में मदद करता है।

लोबान की धूनी

लोबान या लोहबान का इस्तेमाल अधिकतर पूजा-पाठ और झाड़-फूंक में किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि रोज शाम थोड़ी सी लोबान जलाने से घर की नेगेटिविटी दूर होती है। आयुर्वेद के मुताबिक यदि किसी को सांस फुलने की समस्या है तो गोबर के उपले के ऊपर जरा सी लोबान, गूगल और घी डालकर जलाएं। इसकी धूनी सांस फुलने की समस्या में काफी फायदे कर सकती है। इसके अलावा लोबान की धूनी मानसिक शांति भी प्रदान करती है और मन से नेगेटिव विचारों को दूर करती है।

घर में जलाएं कपूर और लौंग

शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान लौंग और कपूर जलाने की परंपरा काफी सदियों पुरानी है। आज भी बड़े-बुजुर्ग शाम के समय घर के दीपक में कपूर और लौंग जलाकर उसकी धूनी देते हैं। इन दोनों में ही एंटी-बैक्टिरियल गुण पाए जाते हैं, जिसकी वजह से घर में मौजूद रोगाणुओं का नाश होता है और सेहत को भी काफी फायदा पहुंचता है। कपूर और लौंग की खुशबू स्ट्रेस बस्टर की तरह भी काम करती है। ऐसे में शाम को कपूर और लौंग की धूनी देने से मानसिक शांति भी मिलती है।

तेज पत्ते का धुआं भी है काफी फायदेमंद

रसोई में रखे तेज पत्ते का धुआं करने से भी काफी फायदा मिलता है। इसका स्ट्रांग अरोमा माइंड को रिलैक्स कर स्ट्रेस कम करने में मदद करता है। इसके अलावा तेज पत्ते का धुआं इन्हेल करने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। साथ ही इसमें नेचुरल एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन कम करने में भी काफी फायदेमंद होते हैं। रोज शाम तेज पत्ते की धूनी देने से घर की नेगेटिविटी भी दूर होती है और एक सकारात्मक और खुशनूमा माहौल बना रहता है।

जींस में न्यू लुक पाने के लिए स्टाइल करें ये फुल स्लीव्स वाली कुर्ती

कुर्ती कई सारे खास मौके पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है साथ ही महिलाएं इन्हें जींस के साथ भी स्टाइल करना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप जींस में न्यू लुक चाहती हैं साथ ही ये भी चाहती हैं कि आपका लुक ब्यूटीफुल नजर आए तो आप फुल स्लीव्स वाली कुर्ती जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। फुल स्लीव्स वाली कुर्ती न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। वहीं जींस के साथ इस तरह की कुर्ती को वियर करने के बाद आपका लुक बेहद ही अलग नजर आएगा।

साइड कट फुल स्लीव्स वाली कुर्ती

न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह की कुर्ती जींस के साथ वियर कर सकती हैं। यह कुर्ती साइड कट और फुल स्लीव्स में है और इस तरह की कुर्ती में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह की न्यू डिजाइन वाली कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएगा और इसे आप 1,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह की आप कुर्ती के साथ झुमके और फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ती

न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड कुर्ती भी स्टाइल कर सकती हैं। यह कुर्ती प्रिंटेड डिजाइन में है और इस तरह की कुर्ती को आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों पर 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में मिल सकती हैं। इस कुर्ती को आप ब्लैक जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसी के साथ इस कुर्ती के साथ आप फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

कॉटन कुर्ती

फुल स्लीव्स में आप इस तरह की कुर्ती भी स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं और इस कुर्ती में आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर में मिल सकती हैं जो आप न्यू लुक पाने के लिए जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

सर्दियों में मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए करें ये काम

सेहतमंद रहने के लिए मेटाबॉलिज्म का फास्ट होना जरूरी है। मेटाबॉलिज्म वह प्रोसेस है जो हमारे द्वारा ग्रहण की कैलोरी को जलाकर उसे ऊर्जा में बदलने का काम करता है। मेटाबॉलिज्म स्लो होने से पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। वजन बढ़ सकता है वहीं अक्सर सर्दियों में में हम स्लो मेटाबॉलिज्म का सामना करते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका मेटाबॉलिज्म सुचारु रूप से काम करें तो हम आपको 5 ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको फायदा मिल सकता है।

- सर्दियों में गर्म पानी पिएं, इसके साथ ही आप हर्बल चाय पिएं, इससे शरीर में गर्मी भी बनी रहती है और मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट होता है।
- सर्दियों में प्रोटीन युक्त आहार जैसे अंडे, मांस, पनीर वगैरह लेने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। शरीर प्रोटीन को पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। इसके लिए शरीर अधिक ऊर्जा की मांग करता है,इससे मेटाबॉलिज्म स्वाभाविक रूप से बढ़ता है।
- सर्दियों में हमारी गतिविधि कम हो जाती है। इस वजह से मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। ऐसे में आप एक्सरसाइज करें, योग, स्ट्रेचिंग, वेट लिफ्ट, या वॉक करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, इससे मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। इससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- इसके अलावा आप 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लें, इससे शरीर के सेल्स रिपेयर होते हैं, हार्मोन नियंत्रण में रहता है, ऊर्जा के स्तर में बढ़ावा होता है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। दरअसल इसे ऐसे समझा जा सकता है कि जब आप कम देर सोते हैं या रात में जागे रहते हैं तो आप बेवजह स्नैकिंग करते हैं जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करते हैं, इससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, नींद की कमी से सुस्ती रहती है।

जानिए किन विटामिन्स की वजह से झड़ते हैं बाल

पुरुष हो या महिला, बाल झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। बाल झड़ने और उनके डैमेज होने के कई कारण हो सकते हैं। लोग हेयर फॉल रोकने के लिए क्या कुछ नहीं करते। कोई तेल लगाता है तो कोई दवाएं खाता है; पर हेयर एक्सपर्ट कहते हैं कि बालों को ठीक करने के लिए उनको अंदर व बाहर से पोषण देना बहुत जरूरी है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि किन विटामिन्स की कमी से बाल झड़ने शुरू होते हैं...

बालों के लिए जरूरी विटामिन्स

विटामिन डी- विटामिन डी की कमी से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है। कैल्शियम और फॉस्फेट बनने में कमी हो तो बालों के विकास में बाधा आ जाती है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं। इसके लिए सुबह की धूप में बैठें।

विटामिन ए- विटामिन ए सीबम का उत्पादन करने में मददगार होता है। अगर शरीर में इसका उत्पादन ना हो या बाधित हो तो स्कैल्प में रूखापन आ जाता है। इसके लिए गाजर, पालक, ब्रोकोली, शकरकंद, अंडे, डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

बी कॉम्प्लेक्स- ये विटामिन अमीनो एसिड बनाता है। रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में भी योगदान करता है। इसकी कमी हो तो बाल खराब होने लगते हैं। इसके लिए डाइट में दूध, केले, दही, ड्राई फ्रूट्स, अंडे आदि शामिल करें।

विटामिन सी- स्किन और बालों पर विटामिन सी का बहुत असर होता है। विटामिन सी की कमी हो,तो स्किन से चमक चली जाती है और बाल बेजान होने लगते हैं। इसके लिए नींबू, कीवी, संतरा आदि को डाइट में शामिल करें।

विटामिन बी12- शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो बाल झड़ने लगते हैं। इसके लिए दूध व दूध से बने उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करना क्यों है बेहद जरूरी

स्ट्रेचिंग करने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं

मसल्स को करें रिलैक्स: स्ट्रेचिंग करना वर्कआउट के बाद मसल्स को रिलैक्स करने का एक बेहतर तरीका है। जब भी हम वर्कआउट करते हैं तो उसके बाद मसल्स टाइट महसूस होने लगती हैं। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स रिलैक्स हो जाती हैं और साथ-साथ फ्लेक्सिबिलिटी भी बढ़ती है, जिससे आप काफी आराम महसूस करती हैं।

वर्कआउट सोरनेस को करे कम: वर्कआउट सोरनेस एक आम समस्या है, जिसका सामना हम सभी करते हैं। आपने महसूस किया होगा कि वर्कआउट करने के बाद अगले दिन या दो दिन बाद शरीर में बहुत अधिक दर्द व टाइटनस का अहसास होता है। यह वास्तव में वर्कआउट के बाद मसल्स में होने वाली सोरनेस है। लेकिन जब आप वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपको काफी मदद मिलती है। ऐसा इसलिए है, ये ब्लड फ्लो को बढ़ाता है और आपकी मसल्स को आराम पहुंचाकर सोरनेस को कम करता है।

बेहतर होता है पोश्चर: आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन स्ट्रेचिंग से आपके बॉडी पोश्चर पर भी काफी असर पड़ता है। अगर आपकी मसल में टाइटनेस है तो इससे आपका पोश्चर बिगड़ सकता है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपके शोल्डर, नेक और बैक एरिया की टेंशन रिलीज होती है। इस तरह आपका पोश्चर बेहतर होता है और आपको गलत पोश्चर की वजह से होने वाले दर्द की शिकायत नहीं होती।

चोटों से होता है बचाव: स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। दरअसल, जब मसल्स टाइट होती हैं, तो उन्हें चोट लगने का खतरा ज्यादा होता है। इस स्थिति में स्ट्रेन या पुल्स आदि की संभावना रहती है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स की फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है और आप रोजाना की मूवमेंट्स बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

गेंदे के पौधे को हरा-भरा और हेल्दी रखने के उपाय

गेंदे के लाल, पीले और नारंगी फूल दिखने में इतने खूबसूरत लगते हैं कि हर कोई अपने गार्डन में इसे लगाना पसंद करते हैं। यह न सिर्फ बालकनी और बगीचे की खूबरती बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि यह अपनी खुशबू से घर में सकारात्मकता का संचार भी करते हैं।

सर्दियों का मौसम गेंदे के पौधे में भर-भर कर फूल आते हैं। इसलिए अक्सर लोग इसकी अच्छी केयर करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, कुछ लोग घर और ऑफिस के कामों में इतने उलझ जाते हैं कि कभी-कभी वे पौधे की अच्छी देखभाल नहीं कर पाते हैं, जिससे गेंदे का पौधा सूखने लगता है और उसमें फूल आने भी बंद हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आज हम आपको गेंदे के पौधे की सही देखभाल के लिए एक ऐसा तरीका बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करते सी ही आपको पॉजिटिव असर दिखने लग सकता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं गेंदे के पौधे के लिए सरसों, पालक और पानी के घोल डालने की, जो पौधे की ग्रोथ के लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि ऐसा करने से पौधे पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

सरसों का पाउडर या खली – पौधे को नाइट्रोजन और जरूरी पोषक तत्व देने के लिए।

पालक के पत्ते – इसमें आयरन और मिनरल्स होते हैं जो मिट्टी की गुणवत्ता सुधारते हैं।

पानी – घोल को तैयार करने के लिए।

घोल बनाने का तरीका

एक लीटर पानी में 50-60 ग्राम सरसों की खली डालें। इसे 24 घंटे के लिए छोड़ दें ताकि यह पूरी तरह से घुल जाए। ताजे पालक के पत्तों को ब्लेंडर में पीसकर इसका 100 मिलीलीटर रस निकाल लें। सरसों के खली वाले पानी में पालक का रस मिला दें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं।

गेंदे की जड़ों में ऐसे डालें यह होममेड घोल

- इस घोल को सीधे गेंदे के पौधे की जड़ों में डालें।
- ध्यान रखें कि मात्रा सीमित हो, हर पौधे में 200-300 मिलीलीटर घोल डालें।
- यह घोल हर 15 दिनों में एक बार डाल सकते हैं।
- ज्यादा मात्रा या बार-बार डालने से पौधे को नुकसान हो सकता है।

एमजी विंडसर 2025 में रही भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार

रायपुर। जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया की एमजी विंडसर साल 2025 में भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार बन गई है। एमजी विंडसर ने ऑटोमोटिव बाजार में काफी मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश किया है तथा यह अपने सेगमेंट में मार्केट लीडर के रूप में स्थापित हो गई है। साल 2025 में इस कार की 46,735 यूनिटें बिकी हैं। एमजी विंडसर ने सफलता का एक ऐसा मानक स्थापित कर दिया है, जो इससे पहले भारत के इलेक्ट्रिक कार बाजार में अभी तक कोई भी ऑटो निर्माता कंपनी हासिल नहीं कर पाई है। एमजी विंडसर भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। यह कार परिवारों को बहुत अधिक आकर्षित करती है। इसमें काफी विशाल केबिन स्पेस, बेहतर कम्फर्ट और शानदार फीचर्स मिलते हैं। ड्राईविंग के मामले में यह असाधारण अनुभव प्रदान करती है। आज यह भारत की सबसे अधिक चहेती और सबसे अधिक पुरस्कार जीतने वाली इलेक्ट्रिक कार है। इस उपलब्धि के बारे में अनुराग महरोत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, ''विंडसर आधुनिक समय का एक बेहतरीन ऑटोमोटिव चमत्कार है, जिसकी टेक्नोलॉजी तथा व्यवहारिक और भविष्य पर केंद्रित डिज़ाईन ने इलेक्ट्रिक कारों के सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर दिए हैं। इसने इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को बढ़ाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। शंका के कारण इलेक्ट्रिक कार खरीदने में विलंब कर रहे लोगों ने विश्वास के साथ यह कार खरीदी है। भारत में इलेक्ट्रिक कारों के क्षेत्र में आ रही क्रांति में यह एक ट्रेंडसेटर के रूप में स्थापित हो गई है। विंडसर कार खरीदने के बाद ग्राहक ब्रांड के पक्के समर्थक बनते जा रहे हैं। वो अपने साथियों को इलेक्ट्रिक कार खरीदने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि विंडसर साल 2025 में भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार बन गई है। हमें आशा है कि साल 2026 हमारे लिए और भी अधिक यादगार होगा।''

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने दिसम्बर 2025 में 4.46 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत प्रगति दर्ज की

रायपुर। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने दिसम्बर 2025 में कुल 4,46,048 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो मजबूत मांग और कंपनी के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है मिलियन ग्राहकों के लिए गतिशीलता को सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में। इसमें 3,92,306 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 53,742 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। एचएमएसआई ने दिसम्बर 2024 की तुलना में 45% वर्ष-दर-वर्ष (YOY) वृद्धि दर्ज की। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में एचएमएसआई के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल-दिसम्बर 2025) की Year-to-Date (YTD) अवधि में एचएमएसआई ने कुल 46,78,814 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 42,04,420 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 4,74,394 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। दिसम्बर 2024 की तुलना में यह 3% YOY वृद्धि को दर्शाता है।

एचएमएसआई दिसम्बर 2025 की प्रमुख उपलब्धियाँ: सड़क सुरक्षा: 'सेफ़्टी फॉर एवरीवन' की अपनी दृष्टि के अनुरूप, एचएमएसआई ने नई दिल्ली, जयपुर, सोलापुर, मेरठ, भोपाल, रांची, राजकोट, गोवा, कालीकट, राजमुंदरी, लुधियाना, समस्तीपुर और हासन सहित विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन अभियानों का उद्देश्य जिम्मेदार राइडिंग को प्रोत्साहित करना और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना था, ताकि सभी के लिए सुरक्षित सड़कों का निर्माण हो सके। इसके अतिरिक्त, एचएमएसआई ने रायपुर में रोड सेफ्टी कन्वेंशन आयोजित किया, जिसमें शिक्षकों को जोड़ा गया ताकि वे बच्चों में सुरक्षित राइडिंग आदतें विकसित कर सकें और प्रारंभिक अवस्था से ही सुरक्षा की संस्कृति का निर्माण हो।

नेटवर्क विस्तार: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने औरैया, बेंगलुरु, दिल्ली और झारग्राम में नए अधिकृत डीलरशिप खोलकर अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। इन डीलरशिप्स को विशेष रूप से प्रशिक्षित सेल्स और सर्विस टीम का सहयोग प्राप्त है, जो ग्राहकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करती है। यह एचएमएसआई की ग्राहक-केंद्रित मोबिलिटी समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

महिंद्रा ने 5 शानदार टेक्नोलॉजी इनोवेशन के साथ XUV 7XO पेश की शुरुआती कीमत 13.66 लाख रुपये

जैसलमेर : भारत की लीडिंग एसयूवी बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज नई XUV 7XO लॉन्च की, जो कंपनी की लेटेस्ट ट्रेंडसेटर है। 13.66 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर, XUV 7XO ने गेमचेंजर XUV 700 द्वारा सेट किए गए बेंचमार्क को और ऊपर उठाया है, जिसके 2021 में लॉन्च होने के बाद से 300000 से ज़्यादा ग्राहक हो चुके हैं। XUV 7XO एक ऐसा अनुभव देती है जो हाई-एंड एसयूवी के नियमों को फिर से लिखता है, जिसमें सोफिस्टिकेशन और टेक्नोलॉजी को पहले से कहीं ज़्यादा बेहतर बनाया गया है। महिंद्रा ने लगातार टेक्नोलॉजी को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में काम किया है, और XUV 7XO बेस वेरिएंट से ही एडवांस्ड फीचर्स देकर इस कमिटमेंट को और मज़बूत करती है। AX वेरिएंट में कोस्ट-टू-कोस्ट 31.24 cm ट्रिपल HD स्क्रीन, इंटेलिजेंट U ADRENOX, एड्रेनॉक्स, एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले, चैटजीपीटी के साथ एलेक्सा बिल्ट-इन, क्रूज़ कंट्रोल, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप, और 75 सेफ्टी फीचर्स - ये सभी स्टैंडर्ड के तौर पर मिलते हैं - जो लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और प्रीमियम फीचर्स को पहले से कहीं ज़्यादा सुलभ बनाते हैं।

ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को धमकी दी

कहा- अमेरिका की बात नहीं मानी तो मादुरो से भी बुरा हाल होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को बुरा हाल करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा, 'अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।' ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में कही है। एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रोड्रिग्ज से बात की है। वे वेनेजुएला में लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए अमेरिका की अपेक्षाओं पर काम करने को तैयार हैं।

न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था अगर रोड्रिग्ज अमेरिका की बात मान लेती हैं तो वेनेजुएला में अमेरिकी सेना तैनात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, रोड्रिग्ज ने मादुरो को सत्ता से हटाने की आलोचना की है। साथ ही अमेरिका से मादुरो को वापस भेजने की मांग की है।

वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम राष्ट्रपति बनाने का आदेश दिया है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने डेल्सी रोड्रिग्ज को तुरंत राष्ट्रपति के सभी अधिकारों के साथ अंतरिम तौर पर कार्यभार संभालने के लिए कहा है।

ट्रंप का ताजा बयान शनिवार को रोड्रिग्ज के बारे की गई टिप्पणियों के विपरीत है। उन्होंने कहा था कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रोड्रिग्ज से बात की थी और वह वेनेजुएला में जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अमेरिका द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले कदम उठाने को तैयार हैं।

हालांकि, रोड्रिग्ज ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को देश से ले जाने की आलोचना की है और मांग की है कि अमेरिका उन्हें वापस लौटाए। ट्रंप ने पत्रिका से कहा कि 'अगर वह सही काम नहीं करती है, तो उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, शायद मादुरो से भी बड़ी।'

ट्रंप ने जताया था भरोसा: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने रॉड्रिगेज पर भरोसा जताया था। उन्होंने रॉड्रिगेज को लेकर कहा था कि वह वेनेजुएला को फिर से महान बनाने के लिए जो कुछ भी आवश्यक समझती हैं, वह करने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि वह बहुत ही विनम्र हैं। हम यह जोखिम नहीं उठा सकते कि कोई और वेनेजुएला की सत्ता संभाले जो वेनेजुएला के लोगों के हितों को ध्यान में न रखे।

अमेरिका की क्या रहेगी भूमिका: अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को संकेत दिया कि अमेरिका 'तेल नाकेबंदी' लागू करने के अलावा वेनेजुएला के दैनिक शासन में कोई भूमिका नहीं निभाएगा। ट्रंप ने एक दिन पहले ही घोषणा की थी कि वेनेजुएल के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद अमेरिका लातिन अमेरिकी देश का शासन संभालेगा।

रुबियो के इस बयान को चिंता को कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, चिंताएं थीं कि क्या सत्ता परिवर्तन हासिल करने के लिए की गई आक्रामक अमेरिकी कार्रवाई से वेनेजुएला में लंबे समय तक चलने वाला विदेशी हस्तक्षेप या राष्ट्र निर्माण की असफल कोशिश हो सकती है।

रुबियो का बयान ट्रंप के उन व्यापक, लेकिन अस्पष्ट, दावों के विपरीत है कि अमेरिका कम से कम अस्थायी रूप से तेल-समृद्ध राष्ट्र का 'शासन' करेगा। ट्रंप के बयान से एक प्रकार की शासन संरचना का संकेत मिला, जिसके तहत काराकस को वाशिंगटन द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

लेकिन रुबियो ने अधिक संतुलित दृष्टिकोण पेश करते हुए कहा कि अमेरिका उस तेल प्रतिबंध को जारी रखेगा, जो शनिवार की सुबह मादुरो को सत्ता से हटाए जाने से पहले ही प्रतिबंधित टैंकरों पर लागू था और वेनेजुएला में नीतिगत बदलावों के लिए दबाव बनाने के साधन के रूप में उस प्रभाव का उपयोग करेगा।

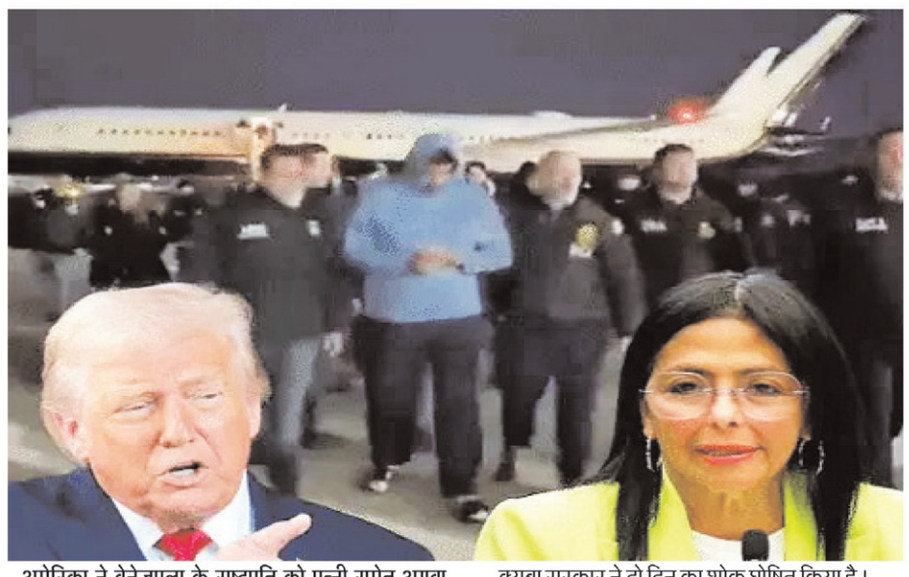

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पत्नी समेत अगवा किया: अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। उन पर हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा।

अमेरिकी हमले में क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए: वेनेजुएला में हुए अमेरिकी हमले में क्यूबा के 32 अधिकारी भी मारे गए। क्यूबा सरकार ने रविवार देर रात इसकी जानकारी दी। सरकार की तरफ से जारी किए बयान के मुताबिक क्यूबा के सैन्य और पुलिस अधिकारी वेनेजुएला सरकार के अनुरोध पर वहां मिशन पर थे। बयान में यह साफ नहीं किया गया कि क्यूबाई अधिकारी वहां क्या काम कर रहे थे। क्यूबा वेनेजुएला का करीबी सहयोगी है और सालों से अपने सैन्य और पुलिस बल भेजकर मदद करता रहा है। क्यूबा सरकार ने दो दिन का शोक घोषित किया है।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला की कमान अब अमेरिका के हाथ में है: ट्रम्प ने कहा है कि इस समय वेनेजुएला की कमान अमेरिका के हाथ में है। रविवार रात एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका वेनेजुएला की नई लीडरशिप यानी कार्यवाहक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से सीधे बातचीत कर रहा है।

ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने अभी तक डेल्सी रोड्रिग्ज से खुद बात नहीं की है, लेकिन उनके सहयोगियों ने संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर वे उनसे बात करेंगे। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने सहयोग के बदले रोड्रिग्ज को कुछ नहीं दिया, लेकिन वह सहयोग कर रही हैं।

वेनेजुएला के तेल पर पहुंच चाहता है अमेरिका: ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा कि हमें डेल्सी रोड्रिग्ज के जरिए वेनेजुएला तक पूरी पहुंच चाहिए।

रुबियो बोले- वेनेजुएला को सीधे नहीं चलाएगा अमेरिका

तेल उद्योग में सुधार, ड्रग तस्करी रोकना मकसद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को स्पष्ट किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका वेनेजुएला का रोज-मर्रा का प्रशासन नहीं करेगा, बल्कि वहां बदलाव लाने के लिए एक मौजूदा तेल नाकेबंदी को लागू रखेगा। रुबियो के बयान ट्रंप के उस दावे के विपरीत हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका अस्थायी रूप से वेनेजुएला को चलाएगा। रुबियो ने कहा कि अमेरिका का मकसद तेल उद्योग और ड्रग तस्करी रोकने जैसे मुद्दों में सुधार लाना है, न कि देश की प्रत्यक्ष शासन व्यवस्था हाथ में लेना। उन्होंने बताया कि तेल

स्थगन अमेरिका को एक बड़ा दबाव देता है ताकि वेनेजुएला में बदलाव हो सके। मादुरो की गिरफ्तारी और न्यायिक कार्रवाई एक दिन पहले अमेरिका ने एक बड़े सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को बंधक बनाया और उन्हें न्यूयॉर्क ले आए। जहां वे दोनों संयुक्त राज्य में आरोपों का सामना करेंगे, जिसमें ड्रग तस्करी और आपराधिक षड्यंत्र शामिल हैं। यह कदम अमेरिका की अब तक की सबसे निर्णायक कार्रवाई मानी जा रही है, और इसके लिए ट्रंप प्रशासन को कांग्रेस से अनुमति नहीं मिली थी, जिससे विवाद और बढ़ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि अमेरिका वेनेजुएला को तब तक चलाएगा जब तक एक सुरक्षित और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग में निवेश करेंगी। लेकिन रुबियो ने अपने बयान में इसे बदलते हुए कहा कि अमेरिका देश नहीं चलाएगा, बल्कि केवल तेल ब्लॉकेड और दबाव के जरिये बदलाव लाने की कोशिश करेगा। अमेरिका ने एक तेल नाकेबंदी लागू की है, जिसमें प्रतिबंधित तेल टैंकरों को रोका जा रहा है और उनके खिलाफ अदालत आदेशों पर तेल जहाजों को भी जब्त किया जा रहा है। रुबियो का कहना है कि यह सबसे बड़ा दबाव का उपाय है ताकि वेनेजुएला नई नीतियां अपनाए, जैसे ड्रग तस्करी को रोकना और अन्य अपराधी समूहों को बाहर निकालना। रुबियो ने यह भी कहा है कि सैन्य विकल्प अभी पूरी तरह से बेकार नहीं कहा गया है, लेकिन अभी मुख्य फोकस दबाव और तेल नाकेबंदी पर है, न कि सीधी सैन्य अधिग्रहण पर।

म्यांमार में 6000 कैदियों की रिहाई

म्यांमार , एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 6,100 से अधिक कैदियों को माफी दी और उन्हें रिहा करने के घोषणा की है। इसके साथ ही कई अन्य कैदियों की सजा भी कम की जाएगी। में कटौती की घोषणा की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सैन्य सरकार के प्रमुख सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने 6,134 कैदियों को आम माफी दी है। इसके अलावा 52 विदेशी नागरिकों को रिहा कर देश से निर्वासित किया जाएगा। हालांकि, रिहा किए गए कैदियों की कोई विस्तृत सूची जारी नहीं की गई है।

ओमान में शादी से पहले करवाने पड़ेंगे मेडिकल टेस्ट

मस्कट, एजेंसी। खाड़ी देश ओमान ने अपनी भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। 1 जनवरी 2026 से ओमान में शादी करने की योजना बना रहे हर जोड़े के लिए प्रीमैरिटल मेडिकल एग्जामिनेशन (शादी से पूर्व स्वास्थ्य जांच) अनिवार्य कर दिया गया है। सुल्तान हैथम बिन तारिक द्वारा जारी रॉयल डिक्री नंबर 111/2025 के तहत यह नियम लागू हुआ है। अब चाहे शादी ओमान के भीतर हो या विदेश में विवाह के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पहले दोनों पार्टनर्स को यह टेस्ट पास करना होगा। यदि जोड़ों में से कोई एक विदेशी नागरिक है तो भी यह नियम अनिवार्य रूप से लागू होगा। ओमान में कजिन मैरिज (रिश्तेदारों में शादी) का चलन अधिक होने के कारण जेनेटिक बीमारियां पीढ़ी-दर-पीढ़ी फैलती हैं। आंकड़ों के अनुसार ओमान की करीब 9.5त्न जनसंख्या इन बीमारियों से प्रभावित है।

वेनेजुएला में सहमे हुए लोग...चारों ओर सन्नाटा और अस्थिरता; अब क्या होगा बड़ा सवाल?

काराकास, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला में की गई कार्रवाई और फिर राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में चारों तरफ सन्नाटा और डर का माहौल है। अमेरिकी सेना द्वारा मादुरो को बंधक बनाकर अमेरिका ले जाने के बाद लोग डर, चिंता और कुछ जगहों पर राहत की मिली-जुली भावनाओं में दिखे। राजधानी काराकस में रविवार को भी जिंदगी सामान्य नहीं हो पाई। मीडिया रिपोर्टस में बताया गया कि शहर में कई दुकानें, रेस्टोरेंट और चर्च बंद रहे। सड़कों पर लोग कम दिखे और जो थे, वे मोबाइल देखते या खाली नजरों से इधर-उधर ताकते नजर आए।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद 77 साल के डेविड लील पार्किंग अटेंडेंट का काम करने पहुंचे, लेकिन सड़कों की हालत देखकर समझ गए कि ग्राहक नहीं आएंगे। इतना ही नहीं राष्ट्रपति भवन के पास की सड़कें पूरी तरह से सुनसान थीं और वहां हथियारबंद लोग तैनात थे। ऐसे में अब सवाल ये खड़ा हो रहा है कि आखिर अब वेनेजुएला की सत्ता किसके हाथ में है? क्या अमेरिका वेनेजुएला को चलाएगा? और क्या आम नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ेंगी?

अमेरिका की कार्रवाई ने नया अध्याय खोल दिया: बता दें कि वेनेजुएला में राजनीतिक संकट कोई नई बात नहीं है। साफ शब्दों में कहे तो वेनेजुएला राजनीतिक संकट का आदी रहा है, लेकिन शनिवार रात अमेरिका की सैन्य कार्रवाई ने हालात को बिल्कुल नया मोड़ दे दिया। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मादुरो को बंधक बनाने के बाद कहा था कि अमेरिका स्थिरता आने तक वेनेजुएला को चलाएगा। हालांकि बाद में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका सीधे शासन नहीं करेगा, लेकिन तेल उद्योग पर नियंत्रण के जरिए दबाव बनाएगा। रुबियो ने कहा कि मौजूदा सरकार अवैध है और अमेरिका चाहता है कि वेनेजुएला पूरी तरह बदले, लेकिन यह तुरंत नहीं होगा।

मादुरो की गिरफ्तारी, फिर लोगों में डर और भावनाएं: वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को अमेरिका द्वारा बंधक बनाए जाने के बाद कई लोग उनकी हालत देखकर भावुक हो गए। रिटायर्ड महिला नेली गुटिरेज ने कहा कि वह दुखी हैं और ईश्वर से ताकत मांग रही हैं। वह चर्च गईं, लेकिन वह भी बंद था। हालांकि कुछ लोग मादुरो के खिलाफ थे, लेकिन डर के कारण खुशी नहीं मना पा रहे। मजदूर डैनियल मेडाला ने कहा कि लोग डरते हैं कि कहीं फिर से दमन न हो जाए।

देश में सत्ता को लेकर भ्रम भी बरकरार: वैसे इन सभी मामलों के बीच एक बात ये भी है कि वेनेजुएला की सत्ता को लेकर भ्रम भी खूब फैल रहा है। एक ओर वेनेजुएला के रक्षा मंत्री ने कहा कि मादुरो अब भी वैध राष्ट्रपति हैं। वहीं दूसरी ओर अदालत ने उप-राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम राष्ट्रपति बनने का आदेश दिया है। उन्होंने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। मादुरो के समर्थकों ने न्यूयॉर्क में उनकी रिहाई की मांग की, जहां सोमवार को उनकी अदालत में पेशी होनी है। सरकारी टीवी ने उनकी हथकड़ी वाली तस्वीरें नहीं दिखाई, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने ये तस्वीरें देखीं।

लोगों की चुप्पी पुरानी यादों का डर कैसे? ये समझिए: गौरतलब है कि 2024 के चुनाव के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों में 28 लोग मारे गए थे, सैकड़ों घायल हुए और हजारों गिरफ्तार हुए थे। इसी वजह से लोग अभी चुप हैं।

सैमसंग ने सीईएस 2026 के दौरान द फर्स्ट लुक में 'योर कंपैनियन टू एआई लिविंग' को पेश किया

गुरुग्राम: सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज विन-लास वेगास के लाटूर बॉलरूम में आयोजित अपने सीईएस0 2026 इवेंट द फर्स्ट लुक में कंपैनियन टू एआई लिविंग विज़न का अनावरण किया। इस इवेंट का मुख्य फोकस एआई पर था, जोकि सैमसंग के दर्शन के अनुरूप है जो कंपनी के आरएंडडी, उत्पाद विकास, परिचालन और यूजर अनुभव को जोड़ने वाली नींव है। टीएम रोह, सीईओ और सैमसंग के डिवाइस एक्सपीरियंस (डीएक्स) डिवीजन के प्रमुख, ने द फर्स्ट लुक की शुरुआत कंपनी के एआई लीडरशिप की जानकारी देकर की। उन्होंने बताया कि कंपनी के बड़े, एआई-सक्षम, कनेक्टेड इकोसिस्टम के कारण सैमसंग यूजर्स को उनके दैनिक जीवन में असली एआई कंपैनियन का अनुभव प्रदान कर सकता है। यह दृष्टिकोण यूजर्स को अपनी तकनीक से केवल बुनियादी सुविधाओं तक पहुंचने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें हर जगह अधिक सार्थक पलों को खोजने के अवसर मिलते हैं। सीईओ टीएम रोह ने कहा, सैमसंग मोबाइल, विजुअल डिस्प्ले, होम अप्लायंसेज और सर्विसेज में अधिक एकीकृत और व्यक्तिगत अनुभव बना रहा है। हमारे वैश्विक कनेक्टेड इकोसिस्टम के साथ, और विभिन्न कैटेगरी में एआई को शामिल करके, सैमसंग हर दिन अधिक सार्थक एआई अनुभव प्रदान करने में सबसे आगे बना हुआ है।''

मनोरंजन का साथी : टीवी देखने के अनुभव को और बेहतर बनाना एसडब्ल्यू योंग, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के प्रेसिडेंट और प्रमुख, तथा सुखमणि मोहता, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका में वीडी बिजनेस की चीफ मार्केटिंग और पार्टनरशिप्स ऑफिसर, ने स्टेज संभालते हुए कहा कि सैमसंग के डिस्प्ले कैसे हार्डवेयर की उत्कृष्टता और विजुअल इंटेलिजेंस को जोड़कर मनोरंजन का एक सच्चा साथी प्रदान कर रहे हैं।

टीवी इंडस्ट्री का नेतृत्व करने के बीस वर्षों के अनुभव से प्रेरित होकर, सैमसंग ने एक पूर्ण एआई टीवी लाइनअप विकसित किया है जो यूजर्स को टीवी के साथ इंटरैक्ट करने का एक नया तरीका प्रदान करता है। डिस्प्ले लाइनअप का केंद्र है 130-इंच की माइक्रो आरजीबी, जो स्केल और पिक्चर क्वॉलिटी में एक जबर्दस्त छलांग दिखाती है। यह 130-इंच का माइक्रो आरजीबी टीवी सैमसंग के टीवी में पहले कभी न दिखे सबसे ज्यादा और बारीक रंगों का नया दौर शुरू करता है। इसका सदाबहार फ्रेम डिजाइन ध्यान भटकाने वाली चीजों को कम करता है और तस्वीर को सादगी भरी खूबसूरती के साथ बीच में रखता है।

YOUGOV सर्वे के अनुसार, 10 में से 7 भारतीयों ने माना कि कैलिफ़ोर्निया बादाम वज़न प्रबंधन में सहायक हैं

रायपुर। नए साल की शुरुआत हो चुकी है और अब स्वास्थ्य के लक्ष्य सबसे ज्यादा ध्यान में हैं। इस समय, वजन पर नियंत्रण रखना अक्सर लोगों के नए साल के संकल्पों में सबसे ऊपर होता है। जैसे-जैसे लोग अपनी दिनचर्या को फिर से व्यवस्थित करते हैं और खुद को लंबे समय तक फिट और ऊर्जावान महसूस करने के स्थायी तरीके खोजते हैं, सजग भोजन और संतुलित आहार का महत्व और बढ़ जाता है। इस बदलाव को दर्शाते हुए, कैलिफ़ोर्निया आल्मंड बोर्ड के सहयोग से किए गए नए YOUGOV सर्वे से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता अब धीरे-धीरे स्वास्थ्यपूर्ण विकल्प अपनाना अधिक पसंद कर रहे हैं। इसमें नियमित व्यायाम करना और ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर भोजन चुनना शामिल है, जो रोज़मर्रा की भलाई और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। भारत के 16 शहरों में किए गए इस सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि लोग अब स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली की ओर अधिक ध्यान दे रहे हैं। अधिकांश (92%) लोग स्वास्थ्य और पोषण में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, जबकि 51% लोग रोज़ाना व्यायाम जैसी सक्रिय जीवनशैली अपना रहे हैं। इसके अलावा, 63% रिस्पान्डन्ट कहते हैं कि वे अपने वजन को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं—अक्सर रोज़ाना व्यायाम, ज्यादा पानी पीना और चीनी कम करना जैसी नियमित आदतों के माध्यम से।

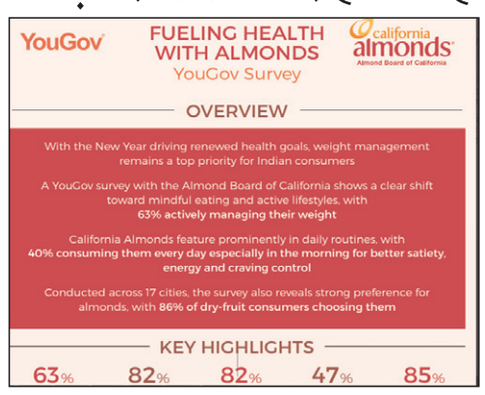

रितिका समद्दार, रीजनल हेड - डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर ने कहा: साल की शुरुआत में मैं देखती हूँ कि मेरे कई दोस्त और क्लाइंट स्पष्ट स्वास्थ्य और वजन प्रबंधन के संकल्प बनाते हैं। उनमें से एक सबसे सामान्य चुनौती भूख को नियंत्रित करना और स्वस्थ विकल्पों पर लगातार टिके रहना है। बादाम इन दिनचर्याओं में सहज रूप से फिट हो जाते हैं, क्योंकि ये पेट भरे रखने वाले, आसानी से शामिल किए जाने वाले और पोषण से संतुलित होते हैं। इनमें फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो क्रेविंग को नियंत्रित करने और लगातार ऊर्जा बनाए रखने में मदद करते हैं, जिससे यह रोज़ाना वजन प्रबंधन और सक्रिय जीवनशैली के लिए एक व्यावहारिक भोजन बन जाता है।

उपजेल की बाउंड्रीवाल निर्माण से बंद हो जाएगा जीवनरेखा मार्ग, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की हस्तक्षेप की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। उपजेल गरियाबंद द्वारा किए जा रहे बाउंड्रीवाल निर्माण को लेकर आमदी आउट शिक्षण नगर क्षेत्र के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है ।ग्राम आमदी-म सहित आसपास के कई गांवों के लोगों ने कलेक्टर बीएस उइके को ज्ञापन सौंपकर वर्षो से आवागमन के लिए उपयोग में आ रहे इस मार्ग को सुरक्षित रखने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि आमदी-म,सढ़ौली, कुरूंभाठा, लोहारलारी सहित अन्य गांवों को जिला चिकित्सालय गरियाबंद से जोड़ने वाला सबसे त्वरित और उपयोगी रास्ता उपजेल परिसर के पास से होकर गुजरता है ।इसी मार्ग का उपयोग आदिवासी छात्रावास,कमार छात्रावास एवं अनुसूचित जाति छात्रावास में अध्ययनरत छात्र भी उपचार व आपात स्थिति में जिला अस्पताल पहुंचने के लिए करते हैं ।वर्तमान में उपजेल प्रशासन द्वारा इस मार्ग पर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उक्त रास्ता पूरी तरह बंद होने की स्थिति बन गई है ।ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह मार्ग बंद हुआ तो मरीजों,छात्रों और आम नागरिकों को जिला चिकित्सालय तथा गरियाबंद-रायपुर मुख्य मार्ग तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा ।आपातकालीन परिस्थितियों में यह स्थिति किसी अप्रिय घटना को भी जन्म दे सकती है। कारण की अस्पताल जाने क्षेत्र के लोगों को 2 से 3 किमी अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी।

ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित स्थान ग्राम पंचायत आमदी-म और नगर पालिका गरियाबंद दोनों की सीमा से जुड़ा हुआ है,ऐसे में सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को सुरक्षित रखना जरूरी है ।ग्रामवासियों ने कलेक्टर से मांग की है कि बाउंड्रीवाल निर्माण के दौरान आवागमन और चिकित्सा सुविधा को ध्यान में रखते हुए कम से कम 30 फीट चौड़ा रास्ता छोड़ा जाए,ताकि वर्षों से उपयोग में आ रहे इस मार्ग की उपयोगिता बनी रहे।

खबर-खास

राजनांदगांव में हिंदू जागरण मंच ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गुरु गोविंद सिंह जयंती

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच, राजनांदगांव द्वारा सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्य्रम की शुरुआत गुरु गोविंद सिंह जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने से की गई। इस दौरान मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गुरु जी के जीवन, त्याग, बलिदान और खालसा पंथ की स्थापना के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने समाज को साहस, समानता, धर्म रक्षा और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनके योगदान को नमन करते हुए कार्यक्रम में एकता, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया गया। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। कार्यक्रम में मंच के कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया और गुरु गोविंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

थाना शोभा जंगल क्षेत्र में पुलिस-नक्सली मुठभेड, समान छोड भागे नक्सली

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, इसी के तहत जिला गरियाबंद के थाना शोभा के जंगलों में शासन द्वारा प्रतिबंधित माओवादी संगठन धमतरी-गरियाबंद-नुआपाडा डिवीजन के 8-10 माओवादियों के उपस्थिति की स्थानीय सूचना प्राप्त हुई थी ।उक्त सूचना पर कार्यवाही हेतु जिला पुलिस गरियाबंद की ई-30 टीम, 207 कोबरा, 65/211 बटा. सीआरपीएफकी संयुक्त पार्टी सर्चिंग अभियान पर रवाना हुआ था कि 5 जनवरी के शाम को शोभा क्षेत्र के जंगल में 8-10 माओवादियों द्वारा घात लगाकर सुरक्षा बलों को जान से मारने व हथियार लूटने के नियत से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे ।सुरक्षाबलों द्वारा भी जवाबी कार्यवाही के तहत फायरिंग किया गया ।पुलिस बल को भारी पड़ता देख माओवादी अपना समान छोडकर घने जंगल पहाडी की अंधेरे का लाभ लेते हुये भाग खड़े हुये। मुठभेड़ पश्चात घटना स्थल व आस-पास के क्षेत्र में सर्चिंग करने पर घटनास्थल से नक्सलियों के भारी मात्रा में दैनिक उपयोगी सामाग्री बरामद कर नष्ट किया गया ।क्षेत्र में सर्च अभियान जारी है।

ईआरओ द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रमद्2026 के अंतर्गत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों 68 साजा, 69 बेमेतरा एवं 70 नवागढ़ में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 06 जनवरी 2026 को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा ली गई, जिसमें अब तक प्राप्त दावा एवं आपत्तियों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के द्वितीय चरण में 23 दिसम्बर 2025 को प्रारंभिक निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया गया था। इसके पश्चात जिले के सभी मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

नाम परिवर्तन

मैं पुस्तम रौतीया (61 वर्ष) पिता श्री जगबन्धु जाति सतनामी निवास ग्राम बलोदा तह. सरायपाली जिला महासमुंद का निवासी हूं। मेरे द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा सरायपाली में खाता खुलवाया गया है जिसका पॉलिसी नंबर क्रमांक 3860124559 है, जिसमें मेरा नाम **KUNDA ROUTIYA** दर्ज है, मेरे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सरायपाली का खाता क्रमांक 2327726834 है, जिसमें मेरा नाम **PUSTAM RAUTIYA S/O JAGBANDHU RAUTIYA** दर्ज है, व मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम पुस्तम रोतीया **PUSTAM RAUTIYA** पिता जगबन्धु **JAGBANDHU** दर्ज है, एवं पैन कार्ड में मेरा नाम **PUSTAM RAUTIYA** पिता **JAGBANDHU RAUTIYA** जो कि सभी दस्तावेजों में दर्ज नाम मेरा ही नाम है।

यह कि भारतीय जीवन बीमा पॉलिसी, बैंक पासबुक, आधार कार्ड व पैन कार्ड में दर्ज नाम एक ही व्यक्ति मेरा नाम है, इस संबंध में मैं शपथपत्र प्रस्तुत करता हूं।

शपथकर्ता
पुस्तम रौतीया
निवासी
ग्राम बलोदा तह. सरायपाली
जिला महासमुंद

गणतंत्र दिवस समारोह में पूरी निष्ठा और समर्पित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें : कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

गणतंत्र दिवस की तैयारी और चाक चौबंध व्यवस्था के लिए कलेक्ट्रेट में हुई बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़,(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस की तैयारी, चाक चौबंध व्यवस्था के लिए जिले के अधिकारियों का बैठक लिया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से उनके कार्य के संबंध में दायित्व और कार्य विभाजन कर गरिमा अनुरूप उस कार्य को अच्छे ढंग से करने के लिए चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिले के प्रभारी अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व है। यह देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था का गौरवान्वित दिवस है। इसको राष्ट्रीय गरिमा, देशभक्ति, बच्चों के उल्लास, जन जन की खुशियाँ के अनुरूप आयोजन करने का अवसर है। इसे सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और स्वप्रेरणा से समर्पित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। 26 जनवरी के पूरे कार्यक्रम के लिए सीईओ इंद्रजीत बर्मन को नोडल अधिकारी, झांकी और पुरस्कार वितरण हेतु डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू को और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में वन विभाग को जिप्सी वाहन, पुलिस विभाग को ध्वजारोहण, परेड की सलामी, एसडीएम एवं तहसीलदार को कानून व्यवस्था, महिला एवं बाल विकास विभाग को रंगोली, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग को, जनसंपर्क विभाग को मुख्यमंत्री जी का सन्देश लाना, फोटोग्राफी, पत्रकार आमंत्रण, मुख्य विभागों से थीम धरती आबा, धान के बदले अन्य फसल, कृत्रिम गर्भाधान आदि पर केंद्रित झांकी प्रदर्शन, एम्बुलेंस, यातायात, विद्युत, साउंड सिस्टम, सत्कार, पेयजल, साज सज्जा, आमंत्रण कार्ड छपाई आदि के लिए विभागीय अधिकारियों को कार्य सौंपा गया।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा नशीली पदार्थों के बिक्री एवं परिवहन के विरूध्द लगातार की जा रही प्रभावी कार्यवाही

15 दिवस में 06 प्रकरणों में 15 आरोपियों के कब्जे से 113 किलो ग्राम गांजा कुल कीमती 47,15,000 रूपये एवं 7 वाहन जप्त

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं पुलिस टीम के द्वारा 15 दिवस में कि गई कार्यवाहियों का विवरण। ।22.12.25 को थाना सिंघोड़ा में हुंडई औरा कार क्रमांक-एम जी 49 बी जेड 4608 से 9 किलो ग्राम गांजा कीमती 4,50,000 तस्करी करते 2 आरोपियों ऋषिराज ठाकुर निवासी जिला नागपुर महाराष्ट्र एवं उमेश वानखेड़े निवासी जिला नागपुर महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया। 24.12.25 को थाना सिंघोड़ा में टाटा जीस्ट कार क्रमांक यू पी 92 एस 1313 से 01 आरोपी कुशल सिंह निवासी उरई जिला जालौन उ.प्र. के कब्जे से 50 किलो ग्राम गांजा कीमती 25,00,000 रूपये जप्त किया गया। 25.12.25 को थाना सांकरा में 2 एक मो. सा. क्रमांक - एम पी 50 जेड जी 1803 , एक बिना नंबर से 4 आरोपी विजय ठकरेले निवासी थाना चांगोटोला जिला बालाघाट म.प्र. , हरिराम निवासी जिला बालाघाट म. प्र., विनोद बिसेन जिला बालाघाट म. प्र. , पुशुलाल ठकरेले निवासी जिला बालाघाट म.प्र.के कब्जे से 20 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 2,00,000 रूपये जप्त किया गया। 29.12.25 को थाना सिंघोडा में एच एफडीलक्स मो. सा .क्रमांक एम पी 00 जेड एल 5219 में 02 आरोपी ओमकार कुशवाहा निवासी जबलपुर, सपना बेन निवासी जबलपुर के कब्जे से 08 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 4,00,000 रूपये जप्त किया गया। 05.01.26 को थाना सिंघोडा में ऑटो वाहन क्रमांक सी जी 04 टी 8913 में 02 आरोपी मुर्शिद खान निवासी महासमुंद, सागर साड़वे निवासी थाणे महाराष्ट्र के कब्जे से 26 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 13,00,000 रुपयें जप्त किया गया। प्रकरण में एंड टू एंड कार्यवाही करते हुए 1 आरोपी संबित मलिक निवासी जिला बौद्ध ओड़िशा को ओड़िशा से गिरफ्तार किया गया है। (06) दिनांक 05.01.26 को थाना बसना में स्कूटी जुपिटर क्रमांक सी जी 04 क्यू यू 1738 में 02 आरोपी हेमराज ठाकुर निवासी पाटन दुर्ग, रौनिक बघेल निवासी तेलीबांधा रायपुर, के कब्जे से 10 किलो 450 ग्राम कीमती 5,25,000 रूपये जप्त किया गया।

इसके उपरांत एंड टू एंड कार्यवाही करते हुए 1 आरोपी वाहन मालिक हर्षित सक्सेना निवासी रायपुर को गिरफ्तार किया गया।

क्षेत्र के औद्योगिक कायाकल्प का संकल्प: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अंशुला और सरकडा में एसआईआर योजना पर दी विस्तृत जानकारी

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ग्राम अंशुला और सरकडा में की 'भेंट-मुलाकात', स्थ्क्रयोजना और विकास कार्यों पर की चर्चा

बसना (समय दर्शन)। विकास की राजनीति और जनसेवा के प्रति समर्पित बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल इन दिनों ग्रामीण अंचलों के सघन दौरे पर हैं। जनसंपर्क अभियान के तहत उन्होंने ग्राम अंशुला एवं सरकडा में आयोजित 'भेंट-मुलाकात' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरे का मुख्य केंद्र एसआईआर योजना रही, जिसे लेकर विधायक ने ग्रामीणों के बीच विकास का एक नया विजन रखा।

बैठक के दौरान ग्रामीणों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्थ्क्रयोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह योजना केवल कागजी विकास नहीं, बल्कि क्षेत्र के लिए आर्थिक मील का पत्थर साबित होगी। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने एसआईआर योजना को क्षेत्र की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि इससे बसना विधानसभा में औद्योगिक क्रांति का सूत्रपात होगा, जिससे न केवल स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र के युवाओं को अपने ही घर में सम्मानजनक रोजगार प्राप्त होगा और पलायन की समस्या समाप्त होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस योजना के माध्यम से सड़कों, बिजली और पानी जैसे बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जाएगा, जिससे ग्राम पंचायतों की आय बढ़ेगी और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। क्षेत्र को एक विशाल आर्थिक हब के रूप में विकसित करने का संकल्प दोहराते हुए डॉ. अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि उनकी मंशा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुख-सुविधाओं और अवसरों की एक ऐसी मजबूत नींव तैयार करना है जहाँ विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भेंट-मुलाकात के दौरान विधायक ने 'अंतिम व्यक्ति' तक पहुँचने के अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पेयजल, बिजली, सड़क और कृषि से जुड़ी समस्याओं को सुना। संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की जायज मांगों और समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही सरकार और जनता के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने आह्वान किया कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी हर कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा से निभानी चाहिए।

बैठक में अध्यक्ष, जनपद पंचायत पिथौरा ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरें,जनपद सदस्य, पिथौरा पुरुषोत्तम धृतलहरें,वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश चंद्र अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, विधायक प्रतिनिधि कामेश बंजारा,मंडल महामंत्री, सांकरा मनोज बारिक, महामंत्री खेमचंद अग्रवाल,महामंत्री झाड़ूराम परमार,कमलेश साहू, राकेश साहू, बृजलाल चौहान, बरसाती लाल डड़सेना, सतपती साहू, मोहनलाल डड़सेना , पदुम साहू, रविशंकर सबर, बाबूलाल वैष्णव, बलीराम नागेश, शिवशंकर साहू, देवकुमार विशाल,जयंत साहू भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और उत्साहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाय पर भेदभाव भाजपा की सोच, गोधन न्याय योजना बंद कर किया अपमान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी द्वारा गाय को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान के विरोध में राजनांदगांव में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन युवा नेता व पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री तथा प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सचिव विशु अजमानी के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन के दौरान सबसे पहले एक घुमंतू गाय की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पुतला दहन कर कांग्रेस नेताओं ने अपना आक्रोश प्रकट किया। सभा को संबोधित करते हुए युवा नेता एवं पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई गोधन न्याय योजना ने गौवंश संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी थी। इस योजना से महिला स्व-सहायता समूहों और गौपालकों को सीधा लाभ मिल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही इस जनहितकारी योजना को बंद कर गौवंश और ग्रामीण आजीविका दोनों का अपमान किया है।

प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सचिव विशु अजमानी ने भाजपा पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा एक ओर गाय के नाम पर राजनीति करती है, वहीं दूसरी ओर गौवंश में भेदभाव पैदा करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश राज्यों में गौवंश वध पर प्रतिबंध से जुड़े कानून कांग्रेस शासनकाल में ही लागू हुए थे, इसलिए भाजपा को गौ-रक्षा पर उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

कांग्रेस नेताओं ने दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी 2026 की शुरुआत में दिए गए सुधांशु त्रिवेदी के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जर्सी गाय को गौ माता नहीं माना जा सकता जैसे बयान हिंदू आस्था का सीधा अपमान हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा अब गायों को भी नस्ल और उत्पत्ति के आधार पर बांटने की राजनीति कर रही है। कांग्रेस ने भाजपा नेतृत्व से इस बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना को पुन: शुरू करने की मांग की, ताकि गौवंश संरक्षण और ग्रामीण हितों की प्रभावी रक्षा हो सके।

रजत जयंत समारोह में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। रजत जयंत समारोह 2025-26 के अवसर पर जिला गरियाबंद पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रों में यातायात जगरूका के साथ घरेलू हिंसा,छेड़छाड़, लैंगिक उत्पीडन,पॉक्सो एक्ट,सायबर सुरक्षा के संबंध में स्कूल/कॉलेज एवं हाट बजार में जन जागरूता का आयोजन किया गया है।

इसी क्रम में जिले कलेक्टर बी.एस.उईके, जिला अधीक्षक गरियाबंद वेदव्रत सिरमौर के द्वारा जिले के ऑक्शन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समस्त महिलओं एवं बच्चों को कानून में प्राप्त मूलभूत अधिकार एवं पॉक्सो एक्ट के संबंध में जागरूक कर कार्यक्रम में लघु फिल्म के माध्यम से अधिक से अधिक जानकारी साझा किया गया।

थाना स्तर पर पॉक्सो एक्ट के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराधों और उनके लिए बने सख्त कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच और बैड टच: स्कूली बच्चों को खेल-खेल में 'सुरक्षित स्पर्श'और 'असुरक्षित स्पर्श'के बीच अंतर समझाया जा रहा है,ताकि वे किसी भी अप्रिय घटना को पहचान सकें और समय पर सूचना दे सकें। स्कूल एवं कॉलेज छात्राओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा जो विपरीत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे किया जाता है ।उसके संबंध में भी बताया गया।

तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 फरवरी से, कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

बालीवुड और छालीवुड के कलाकारों सजेगी शाम

भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन के लिए निर्देश

महासमुन्द (समय दर्शन)। ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 से 03 फरवरी 2026 तक भव्य ,गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने आज शाम कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह एवं जिला प्रशासन की टीम सिरपुर पहुंची और आयोजन स्थल सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार,सिरपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री धम्म शील गणवीर मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं जनसुविधाओं से युक्त बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिरपुर महोत्सव जिले की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, आयोजन में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने महोत्सव परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच तक पहुंचने वाले मार्गों को पर्याप्त चौड़ा रखने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने तथा दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए ।कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि महोत्सव परिसर में विभागीय स्टॉल, स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, स्व-सहायता समूहों के उत्पाद, वन उत्पाद, पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिरपुर एवं आसपास के स्थानीय व्यवसायियों, सरस मेला, स्व-सहायता समूहों तथा कारीगरों को स्टॉल आबंटन में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिल सके। स्टॉल ले-आउट इस प्रकार तैयार किया जाए कि आगंतुकों को आसानी से भ्रमण करने की सुविधा मिले तथा आपातकालीन स्थिति में निकास मार्ग बाधित न हो।

महोत्सव के दौरान बॉलीवुड कलाकारों सहित स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आकर्षक छटा देखने को मिलेगी।

कार्यक्रम का आयोजन प्रति दिन सायं 04:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिदिन महानदी आरती का आयोजन भी किया जाएगा ।कलेक्टर ने मुख्य मंच को आकर्षक एवं सांस्कृतिक थीम आधारित सजावट देने के निर्देश दिए ।महोत्सव परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन हेतु स्थानीय पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक दिन कार्यक्रम समाप्ति के बाद कचरा उठाव अनिवार्य रूप से किया जाएगा। महोत्सव के दौरान प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए गए।

जनदर्शन में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं। जनदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए और अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए।

जनदर्शन के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने एक-एक कर सभी आवेदकों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनदर्शन में ग्राम हेडसपुर निवासी रामझुल जायसवाल ने बैटरी चलित विकलांग साइकिल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं ग्राम खपरी सरगांव की गनेशिया बाई ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लंबित राशि दिलाने की मांग रखी। ग्राम संगवाकापा के लखनराम साहू ने पारिवारिक फौती दर्ज कराने संबंधी आवेदन दिया। इसके अतिरिक्त ग्राम अमोरा के ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बिक्री किए जाने की शिकायत करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं नगर पालिका मुंगेली अंतर्गत रामगोपाल तिवारी वार्ड निवासी श्री विरेंद्र जायसवाल ने वार्ड में पेयजल नल व्यवस्था को दुरुस्त कराने हेतु आवेदन दिया।

ग्राम दुल्हीनबाय निवासी संजय मोहले ने सौर ऊर्जा मोटर पंप की मरम्मत एवं पुन: चालू कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने अवैध शराब बिक्री जैसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मौके पर ही कई मामलों का प्राथमिक निराकरण किया तथा शेष प्रकरणों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला, जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान जुम्बा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

भानु प्रताप साहू

बस स्टैण्ड बालोद में ट्रक/ऑटो/टैक्सी/ई रिक्शा यात्री बस वाहन चालक एवं परिचालकों को दिलाया गया सड़क सुरक्षा शपथ

कोबा मेला मंडई में जागरूकता रथ एवं पॉम्पलेट वितरण कर वाहन चालकों को किया गया जागरूक

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, बोनीफॉस एक्का उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) बालोद एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में जिले में "राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह" (दिनांक 01 से 31.01.2026 तक) यातायात सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 06.01.2026 को यातायात कार्यालय बालोद के सामने "स्वस्थ शरीर रखे स्वस्थ मन, स्वस्थ मन रखे सुरक्षित जन" जुम्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्री धीरज शर्मा के द्वारा लगभग 225 अधिकारी/कर्मचरीयों जिसमें बड़ी संख्या में जिले के नव आरक्षक, आम नागरिक शामिल हुए। जुम्बा कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ्य मन रहता है, स्वस्थ्य मन से वाहन चलाते हुए यातायात नियमों का पालन करे हमेशा हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग करे। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को यातायात सड़क सुरक्षा शपथ दिलाया गया जिससे सभी यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करे।

कोबा मेला मंडई में, जुंगेरा, जगन्नाथपुर, सांकरा, अर्जुन्दा, सुरेगांव, भण्डेरा, भेंड़ी, मालघोरी में यातायात जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा पाम्पलेट वितरण किया गया, सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया एंव सड़क सुरक्षा संबंधी पाम्पलेट का वितरण कर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का स्वंय पालन करने साथ ही अपने प्रियजनों एवं अन्य व्यक्तियों को भी यातायात नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया गया है। बस स्टैण्ड बालोद में ट्रक/ऑटो/टैक्सी/ई रिक्शा यात्री बस वाहन चालक एवं परिचालकों को यातायात सड़क सुरक्षा शपथ दिलाकर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु जागरूक किया गया है।

2 दिन में 5 करोड़ की शराब पीने वाले छत्तीसगढ़ की तरूणाई कैसी है

ओपी का विजन डॉक्युमेंट हवाहवाई है

बिलासपुर (समय दर्शन)। विधानसभा सत्र के दौरान विजन 2047 से हटकर वर्तमान को देखें और इस बात पर की हमने या हमारे निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने 25 साल में कैसा छत्तीसगढ़ बनाया तो हमको पता चल जाएगा की 2047 का जो विजन दिया जा रहा है उसमें घंटा कोई सच्चाई नहीं है। और वह फालतू का विचार है। सिलसिलेवार तरीके से समझते हैं। 2 दिन में बलौदाबाजार नवगठित जिले में 5 करोड़ की शराब बिकी। इसकी तुलना में राजधानी रायपुर ने दो गुना अर्थात 10 करोड़ की शराब पी अन्य जिले 93 लाख, 2 करोड़, ढाई करोड़ जैसे आंकड़ों से सुसज्जित है। एक तरफईडी छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले में करोड़ों की संपत्ति अटैच कर रही है और दूसरी ओर नागरिक शराब पीकर सरकारी खजाने भर रहे हैं। एक समय छत्तीसगढ़ के तीन राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, और जेसीसीजे शराब बंदी की बात करते थे और नदी गंगा के जल की कसम खाते थे। अब उसे कम की चर्चा कोई नहीं करता। छत्तीसगढ़ में नशा सर्वकालिक ऐसा सत्य है जो छत्तीसगढ़ के भविष्य पर कालिख पोत रहा है।

रिश्तो को तार-तार कर रही तीन घटना आपने बेटे को मारा, आपने बेटी की इज्जत लूट ली, शराब पिये नागरिकों ने महिला पुलिस के कपड़े तार तार कर दिए और वीडियो बनाएं इतने पर नहीं रुके जब आरोपी पकड़े गए तो महिला पुलिस कर्मियों ने उनका श्रृंगार किया किसी ने सिंदूर डाल दिया और अर्ध नग्न करके घुमाया अर्थात मानसिक बीमार सब कोई हो गया। इन्हीं 2 दिन में राजनांदगांव जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी, और दूसरी घटना में पिता ने बेटे को गोली मार दी। आत्मग्लानि के बाद पिता ने आत्महत्या कर ली। याद रखें एक जिले में दो दिन में 5 करोड़ की शराब बिकी यह आंकड़ा हर जिले से लिया जा सकता है। पता चल जाएगा कि छत्तीसगढ़ में नागरिक कितने करोड़ की शराब पी गए और नारा लगाएंगे छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया।

धार्मिक स्वतंत्रता की कसौटी पर भारत चिंतनीय स्टेट घोषित होने वाला है पूरे देश में अल्पसंख्यक मसीही समाज के खिलाफ जो हिंसात्मक वारदातें हो रही है उनका बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ में है। हम लगातार देख रहे हैं कि उन्हें की शिक्षण संस्थाएं किस तरह के व्यवस्था निशाने पर है।

नक्सलवाद समाप्त घोषित किया जा चुका है और बस्तर का हाल यह है कि कुछ दिनों में ही 100 एकड़ के जंगल साफ हो गए। तो क्या अधोसंरचना विकास के नाम पर जंगल निजी क्षेत्र को सौंप दिए जाएंगे। अक्टूबर 2025 में ही पूर्व विधायक अमित जोगी ने आरोप लगाया था एनएमडीसी के नगरनार प्लांट को निजी हाथों में सोप जा रहा है। 90त्न स्टॉक निजी क्षेत्र का हो जाएगा। उन्होंने कहा सरकार निश्चित रूप से बस्तर से नक्सलवाद को खत्म कर रही है और अडानी वाद को बढ़ा रही है। बैलाडीला के डिपॉजिट नंबर 13 से लेकर नगरनार तक छत्तीसगढ़ के कई खदानों को अदानी को शौप दिया गया है। सरकारी वेबसाइट के अनुसार तीन दर्जन गांवों में खनिज चिन्हित हुआ है। ग्रेनाइट, क्वार्टज बैरैल, सिलेमेनाईट अयस्क का भंडार चिन्हित हुआ है। कुछ गांव का नाम सुनिए रायकोट, अलनार, अरिडोंगरी, बुधियारी मारी, आसना, तारापुर शायद वहां के स्थानीय लोगों को भी यह नहीं पता होगा कि उनका गांव खनिज से भरपूर है वे तो जल, जंगल, जमीन के ऊपर रहते हैं। और जल, जंगल, जमीन के साथ रहते हैं और जबकि खनिज जमीन के नीचे है। जिसे निकालने के लिए उन्हें हटा दिया जाएगा।

अब बात करें राजनीति की नेताओं की लड़ाई में जात धर्म के संगठन कूद जाते हैं या खुदवा दिये जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ओबीसी कुर्मी राज्य के डिप्टी सीएम अरुण साहू ओबीसी साहू के ऊपर राजनीतिक बयान बाजी की नेताओं की आपसी प्रतिस्पर्धा है इसमें जात धर्म के संगठन क्यों कूदते हैं। जब चुनाव आता है तो वोट तो पूरे ओबीसी के लिए मांगा जाता है। जात संगठन हर राजनीतिक दल से उनकी जनसंख्या के आधार पर टिकट मांगते हैं तब कोई नहीं कहता कि ओबीसी में 43 जातियां हैं उस समय ओबीसी एक हो जाता है। विधानसभा लोकसभा की सीटों में आरक्षण तो एससी और एसटी का है हमने एसटी को भी तीन वर्ग में बाटा। आदिवासी ईसाई, आदिवासी हिंदू, और आदिवासी असली इसी तरह एससी में भी बटवारा है। कोई स्वयं को सतनामी बताता है और दूसरे को मोची बताता है अर्थात वहां भी ऊंच नीच के पैमाने हैं। इस सब के बीच हिंदुत्व का झंडा लेकर बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और उनके अन्य अनुषंगी संगठन किस तरह के एकको बात कर रहे हैं और जिस विजन 2047 को लेकर ओपी चौधरी विश्वविद्यालय में घूम रहे हैं उसकी सड़क पर सच्चाई क्या है....

धरती पर जब-जब बढ़ता है अत्याचार, तब-तब अवतार लेते हैं भगवान : पं. युवराज पांडे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले के ग्राम पंचायत पदुमतरा में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा के दूसरे दिन कथा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन के बीच कथा श्रवण किया। पूरा वातावरण जयघोष और भक्ति भाव से सराबोर नजर आया।

राष्ट्रीय एवं छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कथा वाचक पं. श्री युवराज पांडे ने श्रीमद् भागवत महापुराण की महिमा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहींए बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला जीवन दर्शन है। यह धर्म, भक्ति, ज्ञान और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

कथा के दौरान उन्होंने कहा कि जब-जब धरती पर अत्याचार, अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब-तब भगवान भक्तों की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए अवतरित होते हैं। ध्रुव चरित्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि दृढ़ निश्चय और सच्ची भक्ति से भगवान को भी प्रसन्न किया जा सकता है। वहीं प्रह्लाद चरित्र के माध्यम से यह संदेश दिया कि ईश्वर में अटूट विश्वास रखने वाले भक्त को कोई भी शक्ति पराजित नहीं कर सकती।

वामन अवतार का प्रसंग सुनाते हुए पं. पांडे ने बताया कि कैसे भगवान वामन ने राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर संपूर्ण सृष्टि को नाप लिया और अहंकार का नाश किया। इसके बाद कंस के कारागार में वासुदेव-देवकी के यहां भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की पावन कथा का वर्णन किया गया। श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।

कथा के समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों और आयोजन समिति का विशेष योगदान रहा। आयोजन समिति के प्रमुख ओमप्रकाश साहू ने कथा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस विराट आयोजन में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट समिति, महिला मंडल, भागवत समिति तथा जनप्रतिनिधियों का सराहनीय सहयोग रहा। पूरे गांव में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

नायाब तहसीलदार के आदेशों का अवहेलना ,कलेक्टर से शिकायत

सारँगढ़ बिलाईगढ़ -(समय दर्शन)। बेदखली वारंट के परिपालन में कब्जा हटाने की कार्यवाही के लिए 6 माह पूर्व नायाब तहसीलदार बिलाईगढ़ के न्यायालय में 202503321900036 पारित आदेश जारी किया लेकिन अभी तक किसी प्रकार का कोई कार्यवाही नही किया गया।

दिनांक इस न्यायालय के रा.प्र.क. 202503321900036 अ/68 वर्ष 2022-23 में पारित आदेश अनुसार आवेदिका श्रीमती निराबाई पिता रामप्रसाद जाति सतनामी बनाम अनावेदिका श्रीमती कल्याणबाई पति नंदराम निराला जाति सतनामी साकिन दोमुहानी प.ह.नं. 06 के मध्य स्थित शासकीय भूमि खसरा नं0 653 है। उक्त भूमि के सामने 399 के सामने पर अनावेदिका के द्वारा अवैध कब्जा कर मकान निर्माण कार्य किये जाने पर अतिक्रमित भूमि कब्जा हटाने एवं अधिरोपित कर आदेश पारित किया गया था। उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाने की आदेश पारित को किया जाता है। उक्त अतिक्रमित भूमि से बेदखल कर दिनांक 30/05/2025 तक पालन प्रतिवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत करने आदेश जारी किया गया है लेकिन आदेश का परिपालन अभी तक नही हुआ है जिसे देखते हुए जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिलाध्यक्ष रामेश्वर सोनवानी ने आज कलेक्टर जन दर्शन में पुन: कब्जा हटाने पत्र सौपा है जिसमे उल्लेखनीय बिलाईगढ़ नायाब तहसीलदार के न्यायालय में रा.प्रा. क्र.202503321900036 अ/68 वर्ष 2022-23पारित आदेश के परिप्लान मे तत्काल पांच दिनों के भीतर कब्जा हटाने की कार्यवाही करने निवेदन किया गया है।

अंतर्जिला चोर गिरोह सहित चोरी के सोने ,चांदी के जेवरात बरामद

भानु प्रताप साहू

पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में बालोद पुलिस को मिली बड़ी सफलता

आटो मे घूम घूम कर ताला बंद सूने मकानो का करते थे रेकी रात्रि में जाकर करते थे चोरी

बालोद (समय दर्शन)। ग्राम ओटेबंद थाना गुण्डरदेही प्रार्थी के मकान मे रात्रि को अज्ञात चोर द्वारा प्रार्थी के घर के बाहर लगे बंद ताला को तोड़कर मकान में प्रवेश कर घर में रखे आलमारी से सोने-चांदी के जेवरात सहित नगदी रकम चोरी कर ले गया है कि सूचना पर पुलिस के द्वारा घटना स्थल पहुंचकर घटना का निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराकर उक्त चोरी के अज्ञात आरोपी के पतासाजी हेतु थाना गुण्डरदेही व साइबर सेल से विशेष टीम बनाकर लगाया गया। साथ ही घटना स्थल में डाग स्क्वाड को बुलाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गुण्डरदेही में अपराध क्रमांक 358/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद श्री योगेश कुमार पटेल (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर निर्देषन में व एसडीओपी गुण्डरदेही श्री राजेश बागड़े के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी गुण्डरेदही नवीन बोरकर के नेतृत्व में चोरी के प्रकरण में आरोपियों के पतासाजी हेतु सायबर सेल बालोद व थाना गुण्डरदेही से विशेष टीम गठित कर अज्ञात आरोपियों के संबधं में पतासाजी हेतु लगाया गया था। टीम द्वारा त्रिनयन एप के माध्यम से सीसीटीवी कैमरा फुटेज को प्राप्त कर टीम द्वारा बारीकी से एनालिसिस करने पर संदिग्ध आटो में कुछ व्यक्ति दिखे जो घटना दिनांक समय पर मौजूद थें। की जानकारी प्राप्त हुई जिसे टीम द्वारा चिन्हांकित किया गया सीसीटीवी फुटेज को प्राप्त करते हुए टीम गुण्डरदेही, ओटेबंद, अण्डा, दुर्ग ,भिलाई लगे सैकड़ो सीसीटीवी कैमरों का फुटेज को प्राप्त कर एनालिसिस किया गया साथ ही तकनीकी टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कार्य किया गया। टीम द्वारा रात दिन भिलाई के आसपास कैम्प कर संदिग्ध आटो की पहचान करने का प्रयास किया गया जिसमें आटो का नम्बर प्लेट फर्जी होना पाया गया। अंधेरा के कारण सभी का चेहरा स्पष्ट नही हो पा रहा था। टीम द्वारा कड़ी मेहनत कर प्रकरण के 03 आरोपियों को चिन्हांकित कर उसे भिलाई से विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 05.01.2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी अब्दुल थाना जामुल क्षेत्र का निगरानी बदमाश है जिसके खिलाफ माननीय न्यायालय द्वारा वांरट जारी होने से अपने मूल निवास स्थान को बदलकर छिप कर फरीद नगर सुपेला मे रह रहा था। जो साजा जिला बेमेतरा से आटो चोरी कर उसी आटो मे 04 आरोपी दिन में बालोद क्षेत्र मे रेकी करते थे सूने मकान को टारगेट कर रात्रि में चोरी करते थे आरोपियों द्वारा अन्य जिलो मे चोरी करना बताया गया है।

संक्षिप्त-खबर

कलेक्टर लंगेह ने किया सरायपाली में सीमावर्ती जांच चौकियों का निरीक्षण

सरायपाली (समय दर्शन)। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में राज्य शासन के मंशानुरूप धान खरीदी का कार्य पारदर्शिता के साथ सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा जिले में लगातार धान खरीदी केंद्रों एवं अंतर्राज्यीय जांच चौकियों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सोमवार शाम को सरायपाली अंतर्गत उड़ीसा राज्य की सीमा से लगे सिरपुर, रेहटीखोल और छिबर्रा में अंतर्राज्यीय जांच चौकियों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान परिवहन से संबंधित अभिलेखों, ऑनलाइन एंट्री, वाहन जांच रजिस्टर, सुरक्षा प्रबंधन तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में किसी भी स्थिति में अवैध धान परिवहन एवं अवैध भंडारण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जांच चौकी पर तैनात अधिकारियों को सभी आने-जाने वाले धान लदे वाहनों की सघन जांच करने, ई-पास एवं वैध दस्तावेजों का मिलान करने तथा संदेहास्पद वाहनों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच चौकियों पर निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण करने के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान एसडीएम अनुपमा आनंद, तहसीलदार श्रीधर पंडा और राजस्व, मंडी के कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि अंतर्राज्यीय चौकियों पर पारदर्शिता और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। इसलिए ड्यूटी के दौरान लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप सतत निगरानी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने टीम को आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ड्यूटी रोस्टर का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए।

भिलाई में 12 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। आदर्श शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, जी.ई. रोड पावरहाउस भिलाई में 12 जनवरी 2026 (सोमवार) को सुबह 10 बजे से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों एवं कंपनियों में अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपनी मार्कशीट, प्रमाण पत्र, रिज्यूम, आधार कार्ड सहित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाने के लिए कहा गया है।

आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई से प्राप्त जानकारी अनुसार उद्योग/प्रतिष्ठान वासलोह बीके कास्टिंग लिमिटेड लाइट इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई के लिए मैकेनिस्ट, फाउंड्रीमैन, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर व फीटर, आत्मनिर्भर रेसिडेंशियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड भिलाई के लिए ऑफिस आपरेशन, विष्णु केमिकल लिमिटेड लाइट इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई के लिए फिटर व इलेक्ट्रीशियन, एक्मे आटोमेशन प्राईवेट लिमिटेड में इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, फीटर व कारपेंटर, सिम्पलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड के लिए इलेक्ट्रीकल, वेल्डर, फीटर व कोपा, जय बालाजी इंडस्ट्रीस लिमिटेड रसमड़ा दुर्ग के लिए फिटर व वेल्डर और माइंडलैब्ज़ मीडिया टेक प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद गुजरात के लिए सभी ट्रेड के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। यह मेला युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

3.30 लाख में मिलने वाले फ्लैट बने लोगों की पहली पसंद,आवेदन लेकर आये और सुनहरा अवसर पाए

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में तैयार आवास गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आ रहे हैं। गणपति विहार, सरस्वती नगर और मां कर्मा बोरसी साइट पर तैयार फ्लैटों का आवंटन इस बार लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया, जिसमें कुल 24 हितग्राहियों का चयन किया गया इन आवासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि मात्र 3.30 लाख रुपये में पक्का, सुंदर और सुरक्षित घर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में पात्र नागरिक आवेदन कर रहे हैं। लगभग प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों की लॉटरी निकाली जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहती है।

निधन : श्रीमती सुभद्रा दुबे

दुर्ग। विद्युत नगर निवासी श्रीमती सुभद्रा दुबे 75 वर्ष का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। वे स्व.शेष नारायण दुबे की पत्नी, जय प्रकाश दुबे की माता व आयुष दुबे की दादी तथा पत्रकार सुनील शर्मा की बड़ी बहन थी। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। उनके अंतिम यात्रा में परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26